RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 34 डिग्री
न्युनतम तापमान 26 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 33 डिग्री
न्युनतम तापमान 25 डिग्री

शुक्रवार 09 मई 2025
सुर्योदय प्रातः 05 :34 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 03 बजे

एनसीआर टुडे
करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 प्रोसेस्ड, फास्ट फूड के सेवन से पनपती स्वास्थ्य समस्याएँ

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 203 | गाजियाबाद, शुक्रवार 09 मई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

भारत और ईरान की कला और संस्कृति में एक-दूसरे की विरासत की झलक : मुर्मु

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि भारत और ईरान की कला और संस्कृति के हर पहलू में एक-दूसरे की विरासत की झलक दिखाई देती है। श्रीमती मुर्मु ने गुरुवार को यहां राष्ट्रपति भवन में ईरान के विदेश मंत्री डॉ. अब्बास अराघची से मुलाकात की। डॉ. अराघची का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी यह यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के विशेष अवसर पर हो रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और ईरान के बीच संबंध हजारों साल पुराने हैं। कला और संस्कृति के हर पहलू में, चाहे वह भाषा और साहित्य हो या संगीत और भोजन, हम एक-दूसरे की विरासत की झलक देख सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे द्विपक्षीय संबंध नियमित उच्च श्तरीय आदान-प्रदान की मजबूत नींव पर बने हैं। इन 75 वर्षों में, भारत और ईरान के बीच संबंध विविध क्षेत्रों में बढ़े हैं - चाहे वह सांस्कृतिक सहयोग हो, व्यापार और ऊर्जा साझेदारी हो, या क्षेत्रीय और वैश्विक मंचों पर रणनीतिक समन्वय हो। दोनों देशों ने न केवल लंबे समय से मित्रता बनाए रखी है, बल्कि क्षेत्रीय शांति और समृद्धि के लिए मिलकर काम भी किया है।

यात्री उड़ान प्रस्थान से तीन घंटे पहले हवाई अड्डा पहुंचे : एयर इंडिया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। देश की अग्रणी एयरलाइन एयर इंडिया ने अपने यात्रियों को एक परामर्श जारी करके उड़ान के प्रस्थान के समय से तीन घंटे पहले हवाई अड्डे पहुंचने को कहा है। एयर इंडिया ने परामर्श में कहा कि हवाई अड्डों पर सुरक्षा संबंधी उन्नत उपाय लागू करने के नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो के एक आदेश को ध्यान में रखते हुए, पूरे भारत में यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे निर्धारित प्रस्थान से कम से कम तीन घंटे पहले अपने-अपने हवाई अड्डों पर पहुंचें ताकि सुचारु रूप से चेक-इन और बोर्डिंग सुनिश्चित की जा सके। चेक-इन, प्रस्थान से 75 मिनट पहले बंद हो जाएगा।

सुधाकरन तथा अखिलेश प्रसाद कांग्रेस कार्य समिति में शामिल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा सांसद और बिहार के पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह को कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) का स्थायी आमंत्रित सदस्य मनोनीत किया है। उनका मनोनयन तत्काल प्रभाव से लागू माना जाएगा। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार को उनके मनोनयन की अधिसूचना जारी की। अधिसूचना के मुताबिक, सांसद के. सुधाकरण को भी सीडब्यूसी में स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। बिहार कांग्रेस रिसर्च विभाग के चेयरमैन एवं प्रवक्ता आनन्द माधव ने अखिलेश सिंह के मनोनयन पर उन्हें बधाई दी है। उन्होंने पार्टी आलाकमान मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और केसी वेणुगोपाल का आभार प्रकट किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों में रिक्त पदों के लिए दिल्ली और पड़ोसी राज्यों को लगाई फटकार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को दिल्ली और पड़ोसी राज्यों हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों (एसपीसीबी) में रिक्त पदों को न भरने पर कड़ी नाराजगी जताई। न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुयान की पीठ ने इन राज्यों के मुख्य सचिवों को अदालत के अगश्त 2024 के आदेश का पालन न करने के लिए अवमानना नोटिस जारी किया।

सुप्रीम कोर्ट ने अगश्त 2024 में इन राज्यों को निर्देश दिया था कि वे 30 अप्रैल 2025 तक प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों में रिक्त पदों को भरें। हालांकि, दिल्ली में प्रदूषण के उच्च श्तर के बावजूद दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) में 55 प्रतिशत पद खाली पाए गए, जिसे कोर्ट ने गंभीर चूक माना। पीठ ने कहा, "दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए यह आश्चर्यजनक है कि डीपीसीसी लगभग निष्क्रिय है।"

'पहलगाम हमला पाकिस्तान की टकराव की पहली हरकत

भारत दे रहा है माकूल जवाब'

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत ने विश्व समुदाय से गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल का बर्बर आतंकवादी हमला पाकिस्तान की उकसावे वाली पहली कार्रवाई थी और भारतीय सेना का ऑपरेशन सिंदूर, उसकी 'नपीतुली, संतुलित, समानुपातिक एवं गैर-भड़काऊ' कार्रवाई है, जिसमें केवल आतंकवादी ठिकानों को ही निशाना बनाया गया है।

भारत ने पुनः दोहराया कि उसका इरादा इस टकराव को बढ़ाना नहीं है और वह केवल पाकिस्तान के उकसावे की हरकतों का जवाब दे रहा है और आगे भी ऐसा ही करेगा। भारत ने दो टूक शब्दों में कहा, "अब यदि पाकिस्तान द्वारा और अधिक तनाव बढ़ाने का प्रयास किया जाता है, तो इसका उचित तरीके से जवाब दिया जाएगा और इसलिए निर्णय पूरी तरह से पाकिस्तान को ही लेना है।"

सिंधु जल संधि के बारे में भारत ने कहा कि भारत छह दशकों से अधिक समय से इस संधि का सम्मान करता आ रहा है, यहां तक कि उस समय भी जब पाकिश्तान ने हम पर कई युद्ध थोपे थे। यह हमारी सहनशीलता का प्रमाण है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सेना की कर्नल साफिया कुरैशी और वायु सेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ गुरुवार को यहां ऑपरेशन सिंदूर के बारे में एक विशेष ब्रीफिंग में कहा कि भारतीय सेनाओं की अब तक की कार्रवाई पाकिश्तान की हरकतों का जवाब मात्र है और यह नपी-तुली, सटीक और गैर-भड़काऊ रही है। उन्होंने कहा कि विश्व के ज्यादातर नेताओं के बयान भारत के इस रुख की पुष्टि करते हैं।

श्री मिस्री ने कहा, "वैश्विक आतंकवाद के केंद्र के रूप में पाकिश्तान की प्रतिष्ठा कई उदाहरणों में निहित है... मुझे यह याद दिलाने की आवश्यकता नहीं है कि ओसामा बिन लादेन कहां पाया गया था और किसने उसे शहीद कहा था... पाकिश्तान बड़ी संख्या में संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादियों और कई देशों द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादियों का भी घर है... आपने पिछले कुछ दिनों में देखा होगा कि उनके रक्षा मंत्री और पूर्व विदेश मंत्री ने ऐसे आतंकवादी समूहों के साथ अपने देश की संलिप्तता को स्वीकार किया है।"

विदेश सचिव ने पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय श्तर पर संयुक्त और निष्पक्ष जांच कराने के प्रस्ताव को पाकिश्तान की पुरानी चाल बताते हुए कहा कि जांच में सहयोग के उसके दावे खोखले हैं और मुंबई और पठानकोट हमले में उसका रवैया जगजाहिर है। वह भारत द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले सबूतों का इश्तेमाल आतंकवादियों को बचाने तथा जांच में बाधा डालने के लिए करता रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिश्तान पहलगाम आतंकवादी हमले से अपना दामन बचाना चाह रहा है लेकिन उसके खिलाफ आतंकवाद में संलिप्तता के भारत सहित अंतरराष्ट्रीय श्तर पर अनेक सबूत हैं। उन्होंने कहा कि जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पहलगाम हमले के बारे में चर्चा चल रही थी, तो पाकिश्तान ने टीआरएफ (दि रेजिस्टेंस फ्रंट) का नाम लिखे जाने का विरोध किया था। यह तब हुआ जब टीआरएफ ने एक बार नहीं, बल्कि दो बार हमले की जिम्मेदारी ली है।"

उन्होंने कहा कि कर्नल कुरैशी और विंग कमांडर सिंह ने कल और आज भी स्पष्ट रूप से कहा कि भारत की प्रतिक्रिया गैर-बढ़ाने वाली, सटीक और नपी-तुली है।

भारत और ईरान की कला और संस्कृति में एक-दूसरे की विरासत की झलक : मुर्मु

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि भारत और ईरान की कला और संस्कृति के हर पहलू में एक-दूसरे की विरासत की झलक दिखाई देती है।

श्रीमती मुर्मु ने गुरुवार को यहां राष्ट्रपति भवन में ईरान के विदेश मंत्री डॉ. अब्बास अराघची से मुलाकात की। डॉ. अराघची का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी यह यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के विशेष अवसर पर हो रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और ईरान के बीच संबंध हजारों साल पुराने हैं। कला और संस्कृति के हर पहलू में, चाहे वह भाषा और साहित्य हो या संगीत और भोजन, हम एक-दूसरे की विरासत की झलक देख सकते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे द्विपक्षीय संबंध नियमित उच्च श्तरीय आदान-प्रदान की मजबूत नींव पर बने हैं। इन 75 वर्षों में, भारत और ईरान के बीच संबंध विविध क्षेत्रों में बढ़े हैं - चाहे वह सांस्कृतिक सहयोग हो, व्यापार और ऊर्जा साझेदारी हो, या क्षेत्रीय और वैश्विक मंचों पर रणनीतिक समन्वय हो। दोनों देशों ने न केवल लंबे समय से मित्रता बनाए रखी है, बल्कि क्षेत्रीय शांति और समृद्धि के लिए मिलकर काम भी किया है। उन्होंने चाबहार बंदरगाह की पूरी क्षमता का दोहन करने में दोनों पक्षों के बीच चल रहे सहयोग का स्वागत किया।

न्यायाधीश पद पर नियुक्ति की सिफारिश किए गए नामों को शीघ्र मंजूर करे सरकार : सुप्रीम कोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने न्यायाधीशों के पद रिक्त होने और लाखों की संख्या में लंबित मामलों की समस्या से निपटने के लिए गुरुवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह न्यायाधीशों की नियुक्तियों के लिए सिफारिश किए गए नामों को शीघ्रता से मंजूरी दे।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने जमानत प्रक्रियाओं में देरी और विचाराधीन कैदियों की शीघ्र रिहाई से संबंधित एक स्वतः संज्ञान याचिका पर सुनवाई करते हुए यह सुझाव दिया।

पीठ ने कहा, "हमें उम्मीद और भरोसा है कि लंबित प्रश्तावों को केंद्र सरकार जल्द से जल्द मंजूरी दे देगी।"

अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालयों में सात लाख से अधिक आपराधिक अपीलें लंबित हैं। पीठ ने कहा कि 2.7 लाख लंबित मामलों वाले इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के स्वीकृत 160 पदों के मुकाबले केवल 79 न्यायाधीश हैं।

पीठ ने इन आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा, "इसमें आपराधिक अपीलों का एक बड़ा हिस्सा लंबित है। इसलिए यह एक ऐसा मुद्दा है, जिसे अलग श्तर पर देखना होगा।" शीर्ष अदालत ने कहा कि 94 स्वीकृत पदों वाला बॉम्बे उच्च न्यायालय केवल 66 न्यायाधीशों के साथ चल रहा है।

इसी प्रकार 72 न्यायाधीशों वाले कलकत्ता उच्च न्यायालय 44 जजों के साथ काम कर रहा है। पीठ ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय में वर्तमान में निर्धारित 60 न्यायाधीशों के मुकाबले 41 न्यायाधीश हैं।

अदालत ने कहा, 'यह एक ऐसा पहलू है, जहां केंद्र सरकार को कार्रवाई करने और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि कॉलेजियम की सिफारिशों को शीघ्रता से मंजूरी दी जाए। पीठ ने कहा कि दो दिन पहले उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम की सिफारिश शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर सार्वजनिक की गई थी।

पीठ ने कहा, '42023 की चार सिफारिशें और 2024 में की गई 13 सिफारिशें केंद्र के पास लंबित हैं। 24 सितंबर, 2024 को की गई सबसे हालिया सिफारिशें भी लंबित हैं।" शीर्ष अदालत ने कहा कि 22 मार्च तक उच्च न्यायालयों में आपराधिक अपीलों की कुल संख्या 7,24,192 थी।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर कांग्रेस कल निकालेगी 'जय हिंद यात्रा'

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस पार्टी ऑपरेशन सिंदूर के बाद एकजुटता दिखाने के लिए 9 मई को देश भर के सभी राज्यों में 'जय हिंद यात्रा' निकालेगी।

कांग्रेस सूत्रों ने बताया, 'कांग्रेस पार्टी एकजुटता दिखाने के लिए कल देश भर की सभी प्रदेश कांग्रेस कमिटी (पीसीसी) इकाइयों में 'जय हिंद यात्रा' निकालेगी।' इससे पहले दिन में, 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में बुधवार की सुबह भारत द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई के बाद पाकिस्तान के साथ चल रहे तनाव पर राजनीतिक नेताओं को जानकारी देने के लिए एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी शिविरों को निशाना बनाया गया था।

सर्वदलीय बैठक के दौरान कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार को अपना पूरा समर्थन दिया। हालांकि, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अनुपस्थिति पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या प्रधानमंत्री खुद को संसद से ऊपर समझते हैं।

खड़गे की टिप्पणी पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी के सर्वदलीय बैठक से अनुपस्थित रहने पर की गई उनकी इसी तरह की आलोचना की याद दिलाती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को विपक्षी सदस्यों के विचारों को सीधे सुनना चाहिए था।

गुरुवार को केंद्र ने संसद भवन में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सर्वदलीय बैठक बुलाई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राजनीतिक दलों को सीमा पार आतंकवाद पर भारत की कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत कई अन्य नेता शामिल हुए।

इस बीच, भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने के बाद, जिसमें पाकिस्तान के अंदर नौ आतंकी शिविर नष्ट कर दिए गए थे, पाकिस्तान ने 7 मई की रात को कई सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश की।

अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नल, फलौदी, उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में सैन्य प्रतिष्ठानों को ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग करके निशाना बनाया गया। इन्हें इंटीग्रेटेड काउंटर यूएएस ग्रिड और एयर डिफेंस सिस्टम द्वारा बेअसर कर दिया गया। इन हमलों का मलबा अब कई जगहों से बरामद किया जा रहा है, जो पाकिस्तानी हमलों की पुष्टि करता है।

बीजापुर में मुठभेड़ जारी, आठ नक्सलियों की मौत, पांच जवान शहीद

✷ वेबवार्ता. बीजापुर ✷

छत्तीसगढ़ के बीजापुर इलाके में करेंगुट्टा पहाड़ पर चल रहे सबसे बड़े

अभियान के बीच तेलंगाना में नक्सलियों ने ग्रेहाउंड्स की टीम को बड़ा नुकसान पहुंचाया है।

नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट किया है जिसकी चपेट में आकर ग्रेहाउंड्स के पांच जवान शहीद हो गए। इस बीच हुए मुठभेड़ में जवानों ने आठ नक्सलियों को मार गिराया है, इनमें दो नक्सली कमांडर बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, ग्रेहाउंड्स की टीम एंटी नक्सल अभियान पर वाजिदु (टीजी) से निकली थी। तेलंगाना और बीजापुर की सीमा पर नक्सलियों से मुठभेड़ के दौरान आईईडी ब्लास्ट में अब तक पांच जवान शहीद हुए हैं, जबकि एक जवान गंभीर रूप से घायल है। मुठभेड़ में सीसी सदस्य चंद्रना और एसजेडसीएम बंडी प्रकाश समेत कुल आठ नक्सलियों के मारे जाने की खबर सामने आई है। बीजापुर के उसूर क्षेत्र के लंकापल्लो क्षेत्र में मुठभेड़ चल रही है। हमले के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल है और सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभालते हुए इलाके में मुठभेड़ शुरू कर दी है। फिलहाल मुठभेड़ जारी है और सुरक्षाबल नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं।

भारत ने पाकिस्तानी हमलों को नाकाम कर लाहौर में वायु रक्षा प्रणाली ध्वस्त की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत के ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए और हताश पाकिस्तान ने बुधवार रात जम्मू कश्मीर से लेकर गुजरात तक कम से कम 15 शहरों में सैन्य ठिकानों को मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाने की कोशिश की जिसे भारत की वायु रक्षा प्रणाली ने पूरी तरह से नाकाम कर दिया और जवाबी कार्रवाई में लाहौर की वायु रक्षा प्रणाली ध्वशत कर दी।

रक्षा मंत्रालय ने गुरूवार को यहां एक वक्तव्य जारी कर कहा कि सात और आठ मई की दरमियानी रात में पाकिस्तान ने उत्तरी एवं पश्चिमी भारत के अनेक सैन्य ठिकानों को मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाने की कोशिश की जिनमें अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बटिंडा, चंडीगढ, नाल फलौदी, उत्तरलाई और भुज शामिल हैं। पाकिस्तानी मिसाइल और ड्रोन को भारत की एकीकृत वायु रक्षा प्रणालियों ने नष्ट कर दिया।

मंत्रालय ने बताया कि आज सुबह भारतीय सुरक्षा बलों ने समानुपातिक जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान में कई जगह पर वायु रक्षा प्रणाली और राडारों को निशाना बनाकर हमला किया । विश्वसनीय जानकारी के अनुसार इन हमलों में लाहौर की वायु रक्षा प्रणाली

पूरी तरह से नष्ट हो गयी है।

मंत्रालय ने कहा है कि पाकिस्तान की नष्ट की गयी मिसाइलों और ड्रोन के मलबे को बरामद किया जा रहा है जो पाकिस्तानी हमलों का प्रमाण है।

वक्तव्य में यह भी कहा गया है कि पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पार से कुपवाड़ा, बारामुला, उरी, पुंछ, मेंधर और राजौरी सेक्टरों में बिना किसी उकसावे के फायरिंग तेज कर दी है जिसमें मोर्टारों और भारी तोपखाने का भी इश्तेमाल किया जा रहा है। इस फायरिंग में 16 निर्दोष लोगों की जानें गयी हैं जिनमें तीन महिला और पांच बच्चे शामिल हैं। भारत ने भी विवश होकर पाकिस्तानी फायरिंग को रोकने के लिए मोर्टार और तोपखाने से जवाबी कार्रवाई की।

रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय सशस्त्र बलों की कार्रवाई तनाव बढाने वाली नहीं होगी बशर्ते कि पाकिश्तानी सेना भी संयम बरते।

भारत ने शजे एंड के में पाक का हमला विफल किया, 8 मिसाइल नष्ट

✷ वेबवार्ता. श्रीनगर ✷

भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान की ओर से गुरुवार देर शाम जम्मू-कश्मीर में किए गए हमले को विफल करते हुए पाकिस्तान की आठ मिसाइलों को नष्ट कर दिया। रक्षा सूत्रों ने यूनीवार्ता को बताया कि पाकिस्तान की ओर से सतवाड़ी, सांबा, आर एस पुरा और अरनिया में मिसाइलों से हमला किया गया।

भारतीय वायु रक्षा प्रणालियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इन सभी मिसाइल को ध्वशत कर दिया। कुल मिलाकर आठ मिसाइलों को ध्वशत किया गया है। सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तानी सेना आतंकवादी संगठनों की तरह कार्रवाई करते हुए नागरिक ठिकानों को निशाना बना रही है।

इससे पहले जम्मू-कश्मीर के विभिन्न क्षेत्रों में बड़े धमाके सुने गये और समूचे इलाके में ब्लैकआउट कर दिया गया। नियंत्रण रेखा पर भी पाकिस्तान की ओर से भारी फायरिंग की जा रही है, जिसे भारतीय सेना करारा जवाब दे रही है।

पाकिस्तानी सेना ने बुधवार की रात भी भारत में कम से कम 15 जगह पर हमला करने की कोशिश की थी, लेकिन भारत की वायु रक्षा प्रणाली ने इन हमलों को विफल कर दिया था। भारतीय सेनाओं ने इसकी जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान में ताबड़तोड़ हमले कर लाहौर में पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणाली को ध्वशत कर दिया था।

योगी सरकार की जनसुनवाई से शिकायतों के निस्तारण में हुआ बड़ा सुधार

एनसीआर टुडे. लखनऊ। योगी सरकार आमजन मानस की जनशिकायतों के निश्तारण में आए दिन नए आयाम स्थापित कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मॉनिटरिंग से ही संभव हो पाया है कि प्रदेश में जनशिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निश्तारण में बड़ा सुधार आया है। यही वजह है कि लगातार जनसुनवाई से शिकायतों के मामलों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। यह बात सीएम डैशबोर्ड और आईजीआरएस (इंटिग्रेटेड ग्रिवांस रीड्रेसल सिस्टम) की अप्रैल माह की रैंकिंग में सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, पूरे प्रदेश में जनशिकायतों के निश्तारण में श्रावश्ती ने बाजी मारी है। वहीं, शाहजहांपुर ने दूसरा और अमेठी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। श्रावश्ती जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप श्रावश्ती में शिकायत निश्तारण को लेकर विशेष रणनीति अपनाई गई है। जिले में रोजाना सुबह 10 बजे जनसुनवाई होती है, जिसके बाद दिन भर प्राप्त शिकायतों की प्रगति की समीक्षा की जाती है।

संक्षिप्त समाचार

'शिव शक्ति' में शिव जी की पुत्री मनसा देवी का आगमन हुआ

मुंबई, एजेंसी। कलर्स के 'शिव शक्ति - तप त्याग तांडव' में महादेव की दिव्य यात्रा के कुछ सबसे दिलचस्प और कम चर्चित किस्सों को दिखाया गया है। ये कहानियां महादेव के सबसे समर्पित भक्तों को भी हैरान कर देती हैं। हर ट्रैक के साथ, यह शो शिव और पार्वती की परिचित पौराणिक कथाओं से आगे बढ़ते हुए उनकी भावनात्मक, आध्यात्मिक और नैतिक दुविधाओं को समझने का प्रयास करता है। और अब, महादेव की दुनिया दो ऐसी शक्तिशाली दिव्य ऊर्जाओं के आगमन से हिलने वाली है, जिनकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी। मनसा देवी और कद्रू मां का किरदार क्रमशः रिया दीपसी और दिव्या लक्ष्मी ने निभाया है। उग्र, आहत और महादेव से ज़्यादा ताकतवर बनने की तीव्र इच्छा से भरी हुई - मनसा प्रेम की तलाश में नहीं आती हैं, वह क्रोध के साथ आती हैं। लेकिन दुनिया को यह नहीं पता कि वह स्वयं शिव की पुत्री हैं। यह सच्चाई वर्षों तक छिपी रही, और जब सामने आती है तो मां पार्वती को भीतर तक झकझोर देती है। मनसा का जन्म कद्रु की भक्ति के कारण हुआ था और महादेव ने उनसे दूर रहने का आशीर्वाद दिया था। मनसा को एकांत में पाला गया - यह विश्वास दिलाकर कि उनके पिता ने उन्हें त्याग दिया था। यही विश्वास धीरे-धीरे क्रोध में बदला, और फिर उस क्रोध ने एक लक्ष्य ले लिया - महादेव के नाम को मिटाकर अपनी सत्ता स्थापित करने का। वह अपना आतंक फैलाना शुरू कर देती हैं, और जो उनके आदेश को नहीं मानते, उन्हें दंडित करती हैं। ऐसे में एक करुण पुकार महादेव को उनकी ओर खींच लाती है। इन दो महाशक्तियों का आमना-सामना होता है – एक ओर वह पुत्री है, जिसके दिल में वर्षों का रोष है, और दूसरी ओर वह पिता जो कभी ऐसा तूफान लाना नहीं चाहता था। पार्वती को जब यह पता चलता है कि मनसा शिव की पुत्री है, तो वह टूट जाती हैं। तब कद्रु आगे आती है और वह रहस्य उजागर करती है जिसे अब तक छिपा कर रखा गया था। इसके बाद भावनाओं, टकराव और दिव्य घटनाक्रमों का भयंकर तूफान उठता है। मनसा देवी और कद्रु के आगमन के साथ, शिव-शक्ति की दुनिया अब तक के सबसे भावनात्मक अध्याय की ओर बढ़ती है।

कुर्ता-लुंगी पहन किया था पाक से मुकाबला, फरीदाबाद के पूर्व सैनिकों ने सुनाया वो किस्सा

फरीदाबाद , एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने के बाद सेना के पूर्व अधिकारी वर्ष 1971 के युद्ध की यादों को ताजा कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि तब युद्ध के दौरान भारतीय सैनिक कुर्ता-लुंगी पहनकर पाकिस्तानी सेना पर टूट पड़े थे। पाकिस्तानी सैनिकों की नजर से बचने के लिए उन्होंने वर्दी उतारकर कुर्ता-लुंगी पहनी थी। सेक्टर-16 निवासी कर्नल प्रेम सूद बताते हैं कि 1971 में वे सेना में कैप्टन थे। उन्हें सेना की ओर से उन्हें भी 1971 के युद्ध में भाग लेने के लिए भेजा गया था। भारतीय सैनिक बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी की मदद कर रहे थे। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश के जैशोर इलाके में उनकी ड्यूटी थी। पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण करने से एक दिन पहले 15 दिसंबर 1971 को उनके उनके पैर में गोली लग गई थी। वायरलैस ऑपरेटर मदनलाल की मौत हो गई थी। उन्हें फोटो का बड़ा शौक था। वे युद्ध के मैदान में भी कैमरा साथ लेकर गए थे। वहां उन्होंने बांग्लादेशी मुक्ति वाहिनी के साथ अपने साथियों की फोटो खिंचवाए थे। सेक्टर-15ए निवासी कर्नल ऋषिपाल ने भी 1971 के युद्ध में हिस्सा लिया था। बांग्लादेश के जैसोर में बनाए जा रहे निर्माणाधीन हवाईअड्डे के पास उनकी ड्यूटी थी।

ठाणे में ट्रक अन्य वाहन से टकराया, तीन लोग घायल

ठाणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में बृहस्पतिवार तड़के मुर्गियों को ले जा रहा एक ट्रक सड़क किनारे खड़े एक अन्य वाहन से टकरा गया जिससे तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तडवी ने बताया कि दुर्घटना नासिक-मुंबई राजमार्ग पर साकेत ब्रिज के पास सुबह पांच बजकर 56 मिनट पर हुई। अधिकारियों के अनुसार, करीब 1,600 मुर्गियों को ले जा रहा ट्रक वसंत विहार इलाके की ओर जा रहा था, तभी चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और मरम्मत कार्य के लिए सड़क किनारे खड़े 'एक्सकेवेटर' (निर्माण कार्य में इस्तेमाल किए जाने वाली मशीन) से टकरा गया। टक्कर लगने से ट्रक चालक और दो सह-यात्री केबिन के अंदर फंस गए और एक घंटे के अभियान के बाद उन्हें क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकाला गया।

पंजाब पुलिस और चंडीगढ़ के मेडिकल स्टाफ की छुट्टियां तत्काल प्रभाव से रद्द

चंडीगढ़ , एजेंसी।
भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के जवाब में, पंजाब पुलिस ने बुधवार से अपने कर्मियों की सभी छुट्टियां रद्द कर दी हैं। इस घटनाक्रम से परिचित लोगों ने इस निर्णय के लिए प्रशासनिक कारणों का हवाला दिया है, हालांकि व्यापक रूप से इसे बढ़ती भू-राजनीतिक अस्थिरता के कारण एहतियाती उपाय माना जाता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है और हमारे पुलिस बल को किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए।तनाव बढ़ने की आशंका के चलते भारत के सीमावर्ती इलाकों में संभावित जवाबी कार्रवाई के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अमृतसर एक रात में दूसरी बार अंधेरे में डूब गया, जब जिला प्रशासन ने गुरुवार रात 1.30 बजे नागरिक सुरक्षा ब्लैकआउट अभ्यास फिर से शुरू किया। अधिकारियों ने निवासियों से घर के अंदर रहने और सभी बाहरी लाइटें बंद करने का आग्रह किया। पंजाब में भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़े तनाव के बीच, पंजाब पुलिस ने

गुरुवार (8 मई) को अपने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी हैं।

इस बीच, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम) और यूनिवर्सिटी ऑफ अर्कांसस फॉर मेडिकल साइंसेज (यूएएएम) में तैनात सभी मेडिकल ऑफिसर और स्टाफ को निर्देश दिया जाता है कि अगले आदेश तक किसी भी तरह की छुट्टी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी जाती है। चंडीगढ़ यूटी के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन हेल्थ डायरेक्टर ने कहा, 24/7 आपातकालीन ड्यूटी के लिए तैयार रहें। अगर कहीं भी और कभी भी ड्यूटी के लिए बुलाया जाता है, तो उन्हें तुरंत ड्यूटी पर रिपोर्ट करना चाहिए। उन्हें 24/7 उपलब्ध रहना चाहिए और कॉल का तुरंत जवाब देना चाहिए; अन्यथा, सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाएगी। बीएसएफ ने अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कीं

बुधवार (7 मई) को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भी अपने कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दीं और पश्चिमी सीमा पर अतिरिक्त बल तैनात कर दिया। बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि सभी बटालियनों में एक निश्चित प्रतिशत कर्मी आमतौर पर छुट्टी पर रहते हैं, लेकिन इन कर्मियों को तत्काल प्रभाव से वापस बुलाया जा रहा है। बीएसएफ पंजाब, राजस्थान और गुजरात में फैली भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के 2,289 किलोमीटर की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। जम्मू-कश्मीर में, बल को सीमा के 198 किलोमीटर की सुरक्षा का काम सौंपा गया है। नियंत्रण रेखा पर, बीएसएफ पीर पंजाल पर्वत श्रृंखलाओं में सेना के साथ समन्वय करता है। बढ़ते तनाव के बीच, गुरुवार को पंजाब के छह सीमावर्ती जिलों के सभी स्कूल बंद रहे। फिरोजपुर, पठानकोट, फाजिल्का, अमृतसर, गुरदासपुर और तरनतारन जिलों में स्कूल बंद रहे। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के प्रतिशोध में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा बुधवार तड़के पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए जाने के बाद तनाव बढ़ गया है।

फरीदाबाद में फर्जी बम बनाकर किया 65 करोड़ का घोटाला, दो गिरफ्तार

फरीदाबाद, एजेंसी। केंद्रीय वस्तु एवं सेवाकर (सीजीएसटी) आयुक्तालय की टीम ने फर्जी फर्म बनाकर 65.25 करोड़ के आईटीसी फर्जीवाडे में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।आरोपियों की पहचान संकेत मित्तल (19 वर्ष) और नवीन तायल (34 वर्ष) के रूप में हुई है। पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को जिला अदालत में पेश कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

आरोपी संकेत मित्तल और नवीन मोबाइल फोन कारोबारी हैं और दोनों ने सीजीएसटी में पंजीकरण कराया हुआ है। सूत्रों के अनुसार आरोपी ने एनआईटी, ओल्ड फरीदाबाद और बल्लभगढ़ में अपने और जानकारों के नाम से फर्जी फर्में बना रखी थी। कंपनियों के नाम से करोड़ों रुपये के फर्जी एनवाइस काटे थे। इन कंपनियों से देशभर में हजारों लोगों को माल बेचा दिखा कर इन बिल पर इनपुट-टैक्स क्रेडिट (उत्पादन-सामग्री पर लगे कर के लाभ का दावा) लेते थे। इस तरह उसे जीएसटी की देनदारी में छूट मिल जाती थी।

प्रारंभिक जांच में करीब 65.25 करोड़ के राजस्व के फर्जीवाड़े का अनुमान है। सूचना पर सीजीएसटी की एंटी-इवेंशन टीम द्वारा मामले की गहनता से जांच की गई। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने बालाजी मोबाइल एडिशन और मॉइंट इंटरप्राइजेज नामक दो इकाइयों के माध्यम से यह फर्जीवाड़ा किया। जांच में सामने आया कि संकट मित्तल ने अपनी दादी और एक नौकर के नाम पर फर्जी दस्तावेजों से कंपनियां बनाई और इन्हीं के माध्यम से इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ लिया। सीजीएसटी विभाग मामले की गहन जांच में जुटा हुआ है और मामले से जुड़े अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है। परिवहन में दिखाए गए वाहन या तो अमान्य निकले या वाहन मालिकों ने उनके नंबर के दुरुपयोग की पुष्टि की। एक मामले में हरियाणा रोडवेज की बसों द्वारा 5.41 करोड़ रुपये का माल भेजा जाना दर्शाया गया, जो असंभव है। इन कंपनियों द्वारा दिखाई गई।

हैलो सर ! क्रेडिट कार्ड बनवाना है;और नोएडा में पूर्व अधिकारी से हो गया 22 लाख का फ्रॉड

नोएडा , एजेंसी।
निजी बैंक से सेवानिवृत सहायक महाप्रबंधक से साइबर जालसाज ने क्रेडिट कार्ड बनवान का झांसा देकर 22 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने बुधवार को मामले की शिकायत साइबर क्राइम थाने की पुलिस से की है। पुलिस ने अज्ञात जालसाजों के खिलाफ

आईटी ऐक्ट और धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाने में दी शिकायत में सेक्टर-34 के नीलगिरि अपार्टमेंट में रहने वाले अशोक कुमार भान ने बताया कि वह पहले देना बैंक में सहायक महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत थे,जो अब बैंक ऑफ बड़ौदा में मर्ज हो चुका है। बीते दिनों शिकायतकर्ता ने फेसबुक पर निजी बैंक से जुड़ा एक विज्ञापन देखा, जिसमें क्रेडिट समेत अन्य कार्ड की सुविधाएं दिखाई गई थीं। शिकायतकर्ता ने विज्ञापन को देखकर एक लिंक पर क्लिक किया।

कुछ ही देर बाद अशोक कुमार के पास अनजान नंबर से कॉल आई। कॉलर ने खुद को बैंक का कर्मचारी बताया और क्रेडिट कार्ड पर मुनाफा मिलने का लालच देकर बैंक और खाते संबंधी जानकारी ले ली। कथित बैंक कर्मचारी ने एक नया कार्ड जल्द ही भेजने का वादा किया और इसके बाद शिकायतकर्ता के बैंक खातों के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। 17.20 लाख अशोक के बचत खाते से और ?4.80 लाख रुपये ओवरड्राफ्ट खाते से निकाल लिए गए।

जालसाज ने अशोक के फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को समय से पहले बिना जानकारी के तुड़वा दिया और रकम पीड़ित के बचत खाते में डालकर दूसरी जगह ट्रांसफर कर दी गई। एफडी शिकायतकर्ता और उनकी पत्नी के नाम पर थी। एफडी टूटी तो उस समय शिकायतकर्ता और उसकी पत्नी मौजूद नहीं थी। शिकायतकर्ता का कहना है कि उनके ओवरड्राफ्ट सुविधा का भी गलत इस्तेमाल हुआ, जिसमें ?4.80 लाख रुपये निकाल लिए गए।

बैंक के नियमों के अनुसार बिना खाताधारक की उपस्थिति के एफडी तुड़वाना या रकम ट्रांसफर करना गलत है। उन्होंने यह एफडी सेवानिवृत्ति होने के बाद बुढ़ापे की सुरक्षा के लिए जमा की थी, लेकिन बैंक ने बिना शिकायतकर्ता की सहमति के यह सब कर दिया। शिकायतकर्ता का कहना है कि पूरे मामले में बैंक कर्मचारियों की भी भूमिका संदिग्ध है। उनसे भी पूछताछ की जानी चाहिए। ठगी में उन्होंने जो रकम गंवाई है। वह उनकी पूरी जिंदगीभर की जमा पूंजी थी।

सीमा पर तनाव के बीच जोधपुर कलेक्टर का आदेश, जिले के सभी स्कूलों में छुट्टी का ऐलान

जोधपुर, एजेंसी।
भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंक के कई ठिकानों को नेस्तनाबूत कर दिया। इसको लेकर अब सीमा पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। जम्मू-कश्मीर पर पाकिस्तानी सेना द्वारा लगातार गोलीबारी की खबरें सामने आ रही हैं। अब राजस्थान के जोधपुर में प्रशासन ने एहतियात के तौर पर बड़ा कदम उठाया है। जोधपुर के कलेक्टर ने आदेश जारी करते हुए जिले के सभी प्राइवेट और सरकारी स्कूलों के साथ ही आंगनबाड़ी में छुट्टी के निर्देश दे दिए हैं। अब ये सभी स्कूल बंद रहेंगे।

गुरुवार को जोधपुर के जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने आदेश जारी करते हुए कहा कि सीमा पर पाकिस्तान के साथ तनाव की स्थिति को देखते हुए, जिले के सभी स्कूलों और आंगनवाड़ी को बंद रखा जाएगा। इसकी

शुरुआत गुरुवार से होगी। गुरुवार से लेकर अनिश्चित समय के लिए जिले के सभी स्कूलों को बंद कर दिया गया है। जोधपुर के जिला कलेक्टर ने कहा कि अगले आदेश तक सभी स्कूलों को बंद रखा जाएगा। इस दौरान इलाके में किसी भी जगह पर भीड़ लगाने से बचने की भी सलाह दी गई है। इसे देखते हुए स्कूलों को भी बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। बता दें कि 6-7 मई की रात को भारतीय सेना के जवानों ने पाकिस्तानी सीमा में घुसकर अटैक किया। इस दौरान 9 आतंकी ठिकानों पर हमला करते हुए जवानों ने कई आतंकियों को ढेर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, इस स्ट्राइक में करीब 80-90 आतंकियों की मौत हुई है। हालांकि, इस स्ट्राइक के बाद बौखलाए पाकिस्तान ने सीमा पर गोलीबारी शुरू कर दी। इस गोलीबारी में जम्मू-कश्मीर के अलग-अलग इलाकों में कुछ भारतीय नागरिकों की मौत हुई है। इस तरह की किसी भी घटना से बचने के लिए जोधपुर के जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने स्कूलों कों बंद रखने का आदेश जारी कर दिया है।

रेड्डी ने तेलंगाना में अवैध विदेशी नागरिकों को हिरासत में लेने के आदेश दिए

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने पुलिस अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने और राज्य में अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तान और बांग्लादेश के नागरिकों को हिरासत में लेने का बुधवार को निर्देश दिया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि रेड्डी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के मद्देनजर समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को आपातकालीन सेवाओं में लगे सभी विभागों के कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द करने और सभी जिला मुख्यालयों तथा संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी एवं सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्य सरकार ने बृहस्पतिवार को भारतीय सेना के समर्थन में एक रैली आयोजित करने का फैसला किया है, जिसमें मुख्यमंत्री और उनके कैबिनेट सहयोगी शामिल होंगे। रेड्डी ने अधिकारियों से हैदराबाद में सभी वाणिज्य दूतावासों में सुरक्षा कड़ी करने और सभी आईटी कंपनियों में सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए भी कहा। पुलिस विभाग को 'हिस्ट्रीशीटर' और पुराने अपराधियों की गतिविधियों पर भी नजर रखने को कहा गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है, ''मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को पाकिस्तान और बांग्लादेश के अवैध रूप से रह रहे नागरिकों को हिरासत में लेने का आदेश दिया है। कमान और नियंत्रण केंद्र में संचार प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए। शांति और सुरक्षा को भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।''

पुंछ में पाक से लड़ते-लड़ते शहीद हो गया पलवल का लाल, बम फटने से हुआ हादसा

पलवल , एजेंसी।
भारत-पाकिस्तान सीमा पर पुंछ में ड्यूटी के दौरान बम फटने से जिले के मोहम्मदपुर गांव का एक जवान शहीद हो गया। अधिकारियों के मुताबिक, 32 वर्षीय जवान दिनेश शर्मा की ड्यूटी नियंत्रण रेखा पर थी। पाकिस्तान की गोलीबारी के बाद बम फटने से दिनेश शहीद हो गए। परिजनों को बुधवार सुबह साढ़े तीन बजे शहीद होने की सूचना मिली। जवान शर्मा के पार्थिव शरीर को मिलिट्री की गाड़ी में लेकर सड़क मार्ग से पलवल भेज दिया गया। दिनेश शर्मा पिछले 12 वर्ष से फौज में नौकरी कर रहे थे और जम्मू-कश्मीर में तैनाती थी।

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते उसकी ड्यूटी पुंछ सीमा पर थी। बताया जा रहा है कि मंगलवार रात बम फटने से पांच साथी घायल हो गए। इसमें दिनेश के गले में चोट लगने से शहीद हो गए,जबकि चार अन्य घायल हो गए। वह लांसनायक के पद पर तैनात थे। सरपंच भूपराम पाठक ने बताया कि जवान दिनेश भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके दो छोटे भाई अग्निवीर के रूप में सेना में काम कर रहे हैं। वहीं दो अन्य भाई खेतीबाड़ी में लगे हैं। पिता किसान हैं। वहीं दिनेश की पत्नी वकील हैं और उनके दो बच्चे भी हैं। शहादत से गांव में मातम पसरा है। लोग इस पर चर्चा कर रहे हैं।

सरपंच ने बताया कि जब परिजनों की बात फौज के अधिकारियों से हुई तो उन्होंने कहा कि कश्मीर में आम आदमी का आवागमन बंद है। शहीद के पार्थिक शरीर को फौज की गाड़ी सड़क के रास्ते यहां से लेकर चल दी है, क्योंकि युद्ध के हालत को देखते हुए हवाई सेवा बंद की हुई है। शहीद के परिवार को जबसे इसकी सूचना मिली है तब से परिवार का हाल बेहाल है। परिजन सहमे-सहमे से एक दूसरे से बातें कर रहे हैं। डीसी हरीश वशिष्ठ का कहना है कि शहीद हुए दिनेश कुमार शर्मा का पार्थिव शरीर सड़क के रास्ते गुरुवार दोपहर साढ़े गांव पहुंच जाएगा। दिनेश शर्मा 12 वर्ष से फौज में नौकरी कर रहे थे और पिछले काफी समय से जम्मू-कश्मीर में तैनात थे। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते उसकी ड्यूटी पुंछ बार्डर पर थी। सरपंच ने बताया

कि मंगलवार-बुधवार की रात उनके पास आकर कोई बम फटा था, जिसमें वे पांच साथी घायल हो गए थे। उसके चार साथियों को मामूली चोट बताई गई है, जबकि दिनेश के गले पर चोट लगने से उनकी मौत हो गई। दिनेश शर्मा वर्ष 2014 में फौज में भर्ती हुआ था और फिलहाल लांस नायक के पद पर तैनात बताया गया है। मंत्री विपुल गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि आज पलवल, हरियाणा की धरती के वीर सपूत, जवान दिनेश कुमार शर्मा जी ने सीमा पर पाकिस्तान की ओर से हुई गोलीबारी का डटकर सामना करते हुए मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। हम प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि बलिदानी आत्मा को अपने दिव्य चरणों में स्थान दें।

अखिलेश को ब्राह्मणों पर बोलने का हक नहीं, सपा काल में हुए सर्वाधिक अत्याचार : ब्रजेश

लखनउ, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता ब्रजेश पाठक ने ब्राह्मण समुदाय को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की टिप्पणी के लिये पूर्व मुख्यमंत्री पर तीखा हमला किया। यादव की राजनीति को 'जातिवाद में गहराई से निहित' बताते हुए पाठक ने सपा पर समाज में जाति आधारित विभाजन का जहर फैलाने का आरोप लगाया।

पाठक ने अखिलेश की राजनीति को जातिवाद पर आधारित बताते हुए कहा, सपा ने समाज में जातिवाद का जहर बोने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज पर बोलने का अखिलेश को कोई अधिकार नहीं है। ब्रजेश पाठक का बयान अखिलेश यादव द्वारा बुधवार को संवाददाताओं को संबोधित करने के बाद आया है। पाठक ने सपा के शासनकाल में ब्राह्मण समाज के खिलाफ अत्याचार और अपमान के कई उदाहरण गिनाए।

उन्होंने कहा, ''कन्नौज के मासूम नीरज मिश्र की गर्दन कटवाकर लखनऊ मंगवाने का काम सपा

के शासन में हुआ। इटावा में वाजपेयी परिवार का सार्वजनिक अपमान किया गया। सपा के शासनकाल में पूरे प्रदेश में ब्राह्मण समाज पर संगठित ढंग से अत्याचार और अनाचार हुए। जब-जब ब्राह्मण समाज का मान-मर्दन हुआ, तब-तब प्रदेश में सपा की सरकार थी।'' उपमुख्यमंत्री ने सपा पर ब्राह्मण समाज को लगातार निशाना बनाने और उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। इससे पहले समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को निवर्तमान मुख्यमंत्री बताते हुए उनकी सरकार पर ब्राह्मण विरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि समाज के सभी वर्ग मिलकर इस सरकार को हटा देंगे।

यादव ने यहां पार्टी राज्य मुख्यालय पर पूर्व सपा विधायक पवन पांडेय की अगुवाई में ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करके उनकी समस्याएं सुनीं। इसके बाद उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार पर ब्राह्मण विरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार द्वारा ब्राह्मण समाज को निशाना बनाये जाने का आरोप लगाया और मुख्यमंत्री पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, उन्हें हाता नहीं भाता, तिलक नहीं लुभाता। क्योंकि आप विरोधी हैं और उन्हें लगता है कि आप उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर कर सकते हैं इसीलिए सब राजनीतिक कार्रवाई हो रही है।

आदित्यनाथ को निवर्तमान मुख्यमंत्री (आउटगोइंग सीएम) बताते हुए सपा अध्यक्ष ने कहा, वह निवर्तमान मुख्यमंत्री हैं, इसीलिए अन्याय ज्यादा हो रहा है। दो उपमुख्यमंत्री भी हैं।'' उन्होंने कहा, ब्राह्मण उत्पीड़न का सवाल हम लोगों ने कोई पहली बार नहीं उठाया है। याद कीजिए वह समय जब कानपुर देहात में एक परिवार को जिंदा जला दिया गया था। जब उस परिवार का बेटा न्याय मांगने गया तो उसे सर्दी में पुलिस ने कपड़े उतारकर पीटा था। अपमानित किया था। यादव ने कहा, हमें पता चला कि पुलिस पैसे मांग रही थी। यह पहली बार नहीं है जब पुलिस ने ऐसी कार्रवाई की हो। मुझे याद है कि जौनपुर में एक बच्चे ने केवल टिकटॉक वीडियो बनाया था, लेकिन पुलिस को यह पसंद नहीं आया तो वह उसे ले गई।

पुलिस ने उसके पिताजी को बुलाया और कहा कि इतने पैसे चाहिए, नहीं दोगे तो आपका बेटा नहीं छोड़ा जाएगा। उसे इतना पीटा कि उसकी जान चली गई। उन्होंने कहा, हम अपने सभी लोगों (ब्राह्मण समाज) को भरोसा दिलाते हैं की पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग) में आप भी शामिल हैं। आप जब कभी अपना नाम संक्षेप में लिखते होंगे तो 'पीडी' लिखते होंगे, तो आप तो पहले से ही पीडीए में हैं।

प्रेमिका के लिए पत्नी का गला दबाकर हत्या की कोशिश, जिंदा बची तो तीन तलाक देकर घर से निकाला

मेरठ, एजेंसी। यूपी के मेरठ में एक पति ने अपनी पत्नी को मारने की कोशिश की और फिर वो जिंदा बच गई तो उसे तीन तलाक देकर घर से बाहर निकाल दिया। पति ने ये सब अपनी प्रेमिका के लिए किया। बताया जा रहा है कि ब्रह्मपुरी क्षेत्र की रहने वाली एक विवाहिता ने अपने पति पर अवैध संबंधों के चलते अपनी हत्या के प्रयास का आरोप लगाया है। विवाहिता का आरोप है कि दो दिन पहले पति ने गला दबाकर उसकी हत्या का प्रयास किया। इसके बाद तीन तलाक देकर पत्नी को घर से निकाल दिया। थाना पुलिस आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है।

ईरा गार्डन निवासी जुलेखा बुधवार को परिजनों के साथ एसएसपी ऑफिस पहुंची। महिला ने बताया कि उसका निकाह वर्ष 2008 में मुजफ्फरनगर निवासी रईस अहमद से हुआ था। आरोप है कि पति और ससुराल वाले दहेज में पांच लाख और कार की डिमांड कर विवाहिता का उत्पीड़न करते है। शादी के काफी समय बाद भी जुलेखा को बच्चे पैदा न कर पाने का ताना देकर उसके साथ मारपीट करने लगे। कई बार दोनों पक्षों के बीच पंचायत हुई। जिसके बाद महिला ससुराल में ही रहती रही। इसी दौरान रईस के संबंध किसी अन्य युवती से हो गए। आरोप है कि जुलेखा ने विरोध किया तो पति ने उसे तलाक देने की धमकी देकर चुप करा दिया। सोमवार सुबह रईस ने दुपट्टे से गला दबाकर जुलेखा की हत्या की कोशिश की। महिला ने शोर मचा दिया, जिस पर रईस ने जुलेखा को तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया।

नदी में मिला लापता इंसान का शव परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

✷ **एनसीआर टुडे. स्योहारा** ✷। थाना क्षेत्र सहसपुर निवासी नईम पुत्र फकरुद्दीन का शव नदी से हुआ बरामद। जानकारी के अनुसार दोपहर के समय घर से बुलाकर ले गया था शहज़ाद। जिसके बाद उनके दो दोश्त पप्पू और भगवानदास मिलकर पहुचे थे। नदी पर वहा पर किसी बात को लेकर बिगड़ गई थी। नईम से बात जिस कारण कर हो गया ये हादसा। हादसे के बाद आरोपी हो गए थे फरार। परन्तु पुलिस ने आरोपियो को पकड़ कर किया हवालात में बंद। वही परिजनों का कहना है कि पुलिस हमारा मुकदमा लिखकर भेजे आरोपियों को शीघ्र ही जेल। वही मृतक के परिजनों का रो रो कर हुआ बुरा हाल। पुलिस ने मृतक को भेज दिया है पी एम के लिए जिसके बाद आएगा सच आमने। वही परिजनों ने मृतक के शरीर पर चोट के निशान भी बताए है। परिजनों ने कहा हमारे पिता की की गई है हत्या। परिजनों ने पुलिस से इंन्साफ़ पाने की लगाई गुहार।

ऑक्सफोर्ड स्कूल में प्रशासनिक अधिकारियों ने युद्ध की स्थिति से बचाव के गुर बताएं

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। ऑक्सफोर्ड पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रशासनिक अधिकारियों ने छात्रों को युद्ध स्थिति में बचाव आदि के गुर सिखाएं। इस दौरान उन्होंने छात्रों को विषम परिस्थितियों से निपटने का अभ्यास भी कराया। कोतवाली मार्ग रोड स्थित ऑक्सफ़ोर्ड स्कूल में थानाध्यक्ष धीरज नगर ने छात्रों को संबोधित किया। साथ ही युद्ध जैसी विषम परिस्थितियों में कैसे स्वयं एवं परिजनों का बचाव किया जा सकता है। उसके बारे में आवश्यक जानकारी दी। इस दौरान स्कूल की प्रबंध निदेशिका लीना सिंघल, प्रधानाचार्य इदरीस अहमद आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

मूलचंद चौहान की सपा में वापसी पर नेहटोर में हुआ जोरदार स्वागत

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। समाजवादी पार्टी में वापसी करने पर पूर्व राज्य मंत्री मूलचंद चौहान का नहटौर में पहुंचने पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव लिए सभी सपा कार्यकर्ताओं से तैयार रहने का आह्वान किया। झालू रोड स्थित सपा नेता डॉ राजपाल सिंह विश्वकर्मा के प्रतिष्ठान पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि पूर्व मंत्री ठाकुर मूलचंद चौहान के पुनः समाजवादी पार्टी में आने से जिले में पार्टी और अधिक मजबूत हो गई है। जिसका लाभ आने वाले चुनाव में समाजवादी पार्टी को मिलेगा। उनके आने से प्रत्येक कार्यकर्ता में खुशी और मनोबल बढ़ा है। स्वागत करने वालो में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शराफत हुसैन, विशाल चौधरी, राहुल चौधरी, नरेश चौधरी, नरेंद्र सैनी, मुदित त्यागी, शकील अहमद, नदीम अहमद, ऋषभ शर्मा आदि उपस्थित रहे।

कोतवाली रोड एक मैदान में किया गया मार्क ड्रिल कार्यक्रम आयोजित

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। भारत सरकार के द्वारा आपात स्थिति से निपटने के लिए स्थानीय प्रशासन एवं चिकित्सकों द्वारा मॉक ड्रिल का अभ्यास कराया गया। जिसमें नागरिकों के साथ विधायक ओमकुमार ने भी अभ्यास किया। बुधवार को कोतवाली रोड़ पर स्थित मैदान में आयोजित मॉक ड्रिल के दौरान विधायक ओमकुमार ने भी विचार व्यक्त किया। इस दौरान पालिका अधिशासी अधिकारी ओम गिरी, खंड विकास अधिकारी प्रताप सिंह, थाना अध्यक्ष धीरज नागर, प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ आशीष आर्य आदि ने विषम परिस्थितियों में किस तरह से स्वमं और परिजनों का बचाव किया जाये। उसके बारे में जानकारी दी इस दौरान उन्होंने ब्लैक आउट के बारे में भी विश्तार से जानकारी दी। आपात स्थिति में निपटने के लिए अभ्यास भी कराया गया।

पत्रकार की माता का निधन

✷ **एनसीआर टुडे. स्योहारा** ✷। मेरठ से प्रकाशित समाचार पत्र के संवाददाता चमन भारद्वाज की माता उर्मिला देवी (74) का बुधवार को बीमारी के चलते निधन हो गया। उनके निधन पर सामाजिक, राजनैतिक व गणमान्य लोगों ने पहुंच कर शोक प्रकट किया। बृहस्पतिवार की सुबह पत्रकार चमन भारद्वाज की माता उर्मिला देवी का हजारों नम आंखों के बीच स्योहारा स्थित श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस दौरान शुगर मिल के अधिशाषी अध्यक्ष सुखवीर सिंह, खंड विकास अधिकारी रामकुमार, थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार, डा. मनोज वर्मा, लक्ष्य कालेज प्रबधक अनुराग चौहान, डा. विनीत देवरा, अनिल कुशवाह, रोहित भारद्वाज आलोक अग्रवाल, चौधरी मुजीबुलहसन, डा. वीके स्नेही, जिला पंचायत सदस्य डा. जगवीर प्रजापति, आशीष माहेश्वरी, राजू मिगलानी, पत्रकार जुबैर हसन अर्शी, वरिष्ठ पत्रकार इमरान उस्मानी आदि सेकड़ों लोग मौजूद रहे।

नौकरी करने से इंकार करने पर महिला को भेजा अश्लील मैसेज

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

नौकरी करने से इंकार करने पर महिला को अश्लील मैसेज भेजकर बदनाम करने का मामला सामने आया है। आरोपी महिला के रिश्तेदारों को भी मैसेज भेज रहा है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

नगर की एक कॉलोनी निवासी महिला ने बताया कि फेसबुक पर मैसेज देखने के बाद होटल में नौकरी के लिए कॉल किया। कॉल के दौरान व्यक्ति ने बताया कि होटल में मेड की जरूरत है। महिला ने नौकरी से इनकार कर दिया। आरोप है कि कुछ दिन बाद आरोपी ने महिला को कॉल किया और उसने उसे बदनाम करने की धमकी दी।

इसके बाद आरोपी ने महिला के खिलाफ अनाप-शनाप एवं मनगढ़त मैसेज वायरल किए। पीड़िता का कहना है कि आरोपी उसके परिवार के सदस्य को जानता है। आरोपी की इस हरकत के चलते महिला मानसिक रूप से परेशान होने के साथ दहशत में है। जेपीए मोदीनगर का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर मोबाइल फोन नंबर के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है।

झालू में पुलिस का मार्क ड्रिल बना औपचारिकता

✷ **एनसीआर टुडे. झालू** ✷

मॉक ड्रिल के माध्यम से आमजन को आपातकालीन स्थिति में सतर्कता एवं सुरक्षा उपायों के प्रति जन मानस को दिशा निर्देशित करने झालू पहुंचे प्रभारी निरीक्षक हल्दौर राजेश कुमार।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच खराब संबंधों के चलते उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार झालू की घास मंडी में बुधवार को दोपहर के बाद करीब साढ़े तीन बजे अचानक से पहुंचे हल्दौर प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार ने मॉक ड्रिल की एक मीटिंग बुलाई। जिसमें पुलिस के द्वारा दुकानदारों और व्यापारियों को एकत्र कर मॉक ड्रिल कार्यक्रम की जानकारी दी।

उनके द्वारा घास मंडी में एकत्र हुए लोगों को मॉक ड्रिल के माध्यम से आपातकालीन स्थिति में सतर्कता एवं सुरक्षा उपाय के बारे में अवगत कराया। उन्होंने कहां की मॉक ड्रिल कार्यक्रम के बारे में आपातकालीन स्थिति में तैयारीयों का परीक्षण करना है। उन्होंने किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने तथा आपातकालीन स्थिति के समय में देश का साथ देने व सहयोग करने के लिए जन मानस को प्रेरित कर हर प्रकार की परिस्थितियों में डटकर मुकाबले का सामना करने के लिए कहा।

कार्यक्रम की औपचारिकता पूर्ण करते दिखे प्रभारी निरीक्षक : हल्दौर

✷ **एनसीआर टुडे. झालू** ✷

मॉक ड्रिल कार्यक्रम के अंतर्गत जहां तक हो सके जनता को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। वही हल्दौर थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार औपचारिकता पूर्ण करते दिखाई देते नजर आए।

मॉक ड्रिल कार्यक्रम के इर्द-गिर्द नगर की जनता को यह कहते सुना गया कि प्रभारी निरीक्षक केवल औपचारिकता पूर्ण करने में लगे हैं। क्योंकि मॉक ड्रिल कार्यक्रम में इतनी बड़ी और घनी आबादी वाले कस्बे के बहुत चुनिंदा लोग ही कार्यक्रम में दिखाई दिए।

उन्हें भी इस कार्यक्रम की कोई सूचना नहीं दी गई थी। मौके से बुलाया गया था न कि कोई सूचना थी जो नगर में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस संबंध में जब हल्दौर प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार से वार्ता हुई तो उन्होंने बताया कि मॉक ड्रिल कार्यक्रम की जानकारी पुलिस की ओर से दी गई थी।

पुलिस ने नहीं दी मॉक ड्रिल कार्यक्रम की सूचना : लोकेंद्र चौधरी

नगर पंचायत ने मॉक ड्रिल कार्यक्रम को संपन्न करने की की गई थी अपील

एनसीआर टुडे .झालू। नगर में पुलिस द्वारा आयोजित कार्यक्रम मॉक ड्रिल के बारे में जब नगर पंचायत चेयरमैन लोकेंद्र चौधरी से वार्ता हुई।

उन्होंने बताया कि नगर में मॉक ड्रिल कार्यक्रम की मुझे कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत प्रशासन द्वारा स्वयं नगर में मॉक ड्रिल कार्यक्रम को पूर्ण करने के लिए नगर पंचायत द्वारा अपील की गई थी। नगर पंचायत द्वारा नगर के धार्मिक स्थलों से अलाउंस भी कराया गया था।

सांसद आजाद ने किया सहानपुर अध्यक्ष खुर्शीद मंसूरी के कैंप कार्यालय का उद्घाटन

प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

✷ **एनसीआर टुडे. नजीबाबाद** ✷

आज़ाद समाज पार्टी काशीराम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना लोकसभा से सांसद चंद्रशेखर आज़ाद ने नजीबाबाद पहुचकर पार्टी के मुरादाबाद मंडल प्रभारी खुर्शीद मंसूरी के कार्यालय का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय और खुर्शीद मंसूरी के कार्यों की सराहना की।

वहीं खुर्शीद मंसूरी द्वारा मुस्कान मैरिज हॉल में आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह में पहुचकर सांसद चंद्रशेखर आजाद ने क्षेत्र के मेधावी छात्र छात्राओं का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

इस मौके पर सिटी प्रेस क्लब अध्यक्ष नईम सिद्दीकी ने भी नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद के साथ मेघावी बच्चों को सम्मानित किया।

मीडिया से वार्ता करते हुए सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि पार्टी ने आगामी जिला पंचायत और स्थानीय चुनाव को लेकर कमर कस ली है, 2027 के विधानसभा चुनाव के सत्ता की चाबी आजाद समाज पार्टी के पास होगी, हमारी पार्टी के बिना किसी की सरकार नहीं बनेगी।

कश्मीर के पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा की गई जवाबी कार्यवाही को सही ठहराया, उन्होंने आगे कहा कि नगीना की जनता ने मुझे देश संसद में पहुंचाया इसके लिए वह यहां की जनता के कर्जदार है।

इस मौके पर मौलाना अतिकुर्रहमान, सरदार हरप्रीत सिंह, इंजीनियर मनोहर लाल, साहिल मेहरा, हाशिम जलाल, जगमीत सिंह जीत, शादमान, शाहबुद्दीन पूर्व प्रधान, प्रशांत महासागर, फहीम अंसारी, शाहिद अंसारी, जर्मन, शराफात, नदीम सलमानी, नौशाद सरवरी, जाफर सलमानी, इस्माईल ,आदिल अब्बासी, इमरान, शानू, फैजान, महताब राईन, सरताज राईन, अच्छन राईन, नसीम एडवोकेट, मुन्ने हाफीजी, जुबैर आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों, कड़ी मेहनत करो, सफलता अवश्य मिलेगी

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷

आज बाद नमाज़ मग़रिब मदरसा नाबिनान नगीना में अंजुमन सेहरुल बयान का इफ्तिताही प्रोग्राम का आयोजन हुआ।

जिसकी सदारत मौलाना डॉक्टर ख़लीक़ अहमद क़ासमी मोहतमिम मदरसा हाज़ा, और निज़ामत मुफ्ती नबील अहमद रशीदी ने की, जलसे का आगाज़ क़ारी अक़दस की तिलावत कलाम पाक से हुई, और नात पैश कि, एहतेशाम (नाबिना) और मुफ्ती अज़ीम साहब ने, इस मौके पर मोहतमिम मदरसा हाज़ा ने अपने सदारती ख़तिाब में कहा कि तलबा ए अज़ीज़ गुनाहों से पुरी तरह से बचें, अपनी ज़िंदगी में तक़्वे तहरात पैदा करें।

मुफ्ती शादाब कासमी ने कहा कि अंजुमन का उद्देश्य आपको सही ढंग से बोलना सिखाने में मदद करना है और आपको इस पर कड़ी मेहनत करनी चाहिए। मास्टर शहजाद ने कहा, 'साहसी बनो, बड़े सपने देखो और कड़ी मेहनत करते रहो, तुम सफल होगे। विशिष्ट अतिथि मौलाना हिफ्जुर रहमान मजाहरी ने कहा कि आप जिस उद्देश्य से मदरसे में आए हैं, उसे समझते हुए मेहनत करें,अपने शिक्षकों का सम्मान करें, पवित्र कुरान को अच्छी तरह से पढ़ें, कुरान से प्रेम करें।

'इस अवसर पर कार्यक्रम का समापन मौलाना अब्दुल कादिर कासमी की दुआ से हुआ।इस मौके पर मौलाना डॉ. खालिक अहमद कासमी, मौलाना अब्दुल कादिर कासमी, मुफ्ती अजीम, मुफ्ती कफील, कारी रईस, मौलाना तैयबा, मौलाना जैद, मौलाना तल्हा, मौलाना वकील, हाफिज शकील, मुफ्ती शादाब, कारी अरशद, मुफ्ती नबील, हाफिज हसीब, कारी अकदस, मौलाना अफजल, मौलाना अबू बक्र समेत बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे।

घर का ताला तोड़कर हजारों की नकदी और लाखों के गहने चोरी

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

लोनी के ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र की रामपार्क कालोनी में करीब दो सप्ताह पूर्व चोरों ने एक मकान का ताला तोड़कर घर में रखी एलईडी, हजारों रुपये की नकदी और लाखों के सोने चांदी के आभूषण चुरा लिए।

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। रामपार्क कालोनी निवासी अभिषेक नायक ने बताया कि वह दिल्ली मेट्रो शास्त्री नगर में हाउसकीपिंग के पद पर तैनात है। 26 अप्रैल की रात करीब 11 बजे वह पत्नी के साथ दिल्ली खजूरी स्थित एक शादी समारोह में शामिल होने गये थे।

जबकि मां और बहन उनसे से पहले शाम को शादी समारोह में चली गई थी। आरोप है कि देर रात चोरों ने मकान के गेट पर लगा ताला तोड़कर घर से एलईडी, 45 हजार रुपये की नकदी व सोने के दो मंगलसुत्र, 14 छोटी बड़ी नाक की नथ, पांच सोने के कान के झुमके, पांच सोने की अंगूठी, दो सोने के लाकेट, करीब 15 पैर की चुटकी, पाजेब समेत अन्य सामान चुरा लिया। अगले दिन 27 अप्रैल को सुबह घर लौटने पर उन्हें घटना का पता चला।

उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। चोरी की घटना घर के पास गली में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जेपीए लोनी सिद्धार्थ गौतम का कहना है कि पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। चोरों की तलाश की जा रहीं है।

हर प्रकार की आपदा प्रबंधन के लिये संरक्षित है अस्पताल : अमित गोयल

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

सरकार के आदेशानुसार जिला प्रशासन एवं अस्पताल प्रबंधन द्वारा किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिये मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, इस ड्रिल में जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, फायर ब्रिगेड और विवेक ग्रुप के स्वास्थ्य विभाग ने हिस्सा लिया।

विवेक अस्पताल के असेंबली एरिया मे 'कोड रैड/ कोड यैलो' के तहत इस आपदा प्रबंधन ड्रिल का आयोजन किया गया, ड्रिल में आग लगने की काल्पनिक स्थिति बनाई गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने आधुनिक उपकरणों से आग बुझाने का प्रदर्शन किया। पुलिस ने क्षेत्र की घेराबंदी कर भीड़ को नियंत्रित किया। मेडिकल टीम ने घायलों की प्राथमिक चिकित्सा की।

मॉक ड्रिल देखने के लिये विवेक विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। ड्रिल देखने आये विद्यार्थियों एवं मरीजो के तीमरादारो को भी आपात स्थिति में सतर्कता बरतने व स्वयं तथा दूसरो की जान बचाने के लिए जागरूक किया गया। विवेक ग्रुप के अध्यक्ष अमित गोयल ने बताया कि विवेक अस्पताल मे आपदा प्रबंधन के लिये पहले से ही एक सुव्यवस्थित प्रणाली विकसित है, जिसमे आग लगने, भूकंप आने, इमारत के ढह जाने, आदि अनेक प्रकार की प्राकृतिक व मनुष्य निर्मित आपदाओ से आसानी से निपटा जा सकता है।

विवेक अस्पताल के जनरल मैनेजर रोहन पाराशर ने अस्पाल आपदा प्रबंधन के अन्तर्गत आने वाले सभी पहलू एवं मापदंडो के बारे स्टाफ, विद्यार्थियों एवं तीमारदारो को अवगत कराया। इस ड्रिल को सफल बनाने मे इ. शीशपाल सिंह, का. नितिन सिंह व विनित राठी, पंकज त्यागी, डॉ. सच्चिदानंद, डॉ. आधार भटनागर, डॉ. कोमल, डॉ. प्रिति कोमल सिंह, अतुल कुमार संजीव शर्मा, ललित, अभिषेक शर्मा, मौ. फैज, प्रशांत शर्मा आदि का सहयोग रहा।

ईको कार-बाइक दुर्घटना में 3 की मौत, कई घायल

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

कोतवाली देहात मार्ग पर गांव फुलसंदा में गुरुवार को ईको कार व बाइक की टक्कर में बाइक सवार दो राजमिस्त्री व एक मजदूर की मौत हो गई।ईको कार भी पलट गई।तीन बाईक सवारों की मौत पर परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने तीनों के शवो को सील कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। ईको कार चालक के खिलाफ एक मृतक के पुत्र ने पुलिस को तहरीर दी है।

जानकारी के अनुसार नहटौर क्षेत्र के गांव फरीदाबाद उर्फ फरीदपुर निवासी नूर शाह उम्र 55 वर्ष पुत्र वजीर शाह व गांव महमूदपुर कामिल उर्फ नरगदी नवादा निवासी शाहिद 50 वर्ष पुत्र शफीक अहमद और गांव काजीपुरा निवासी नूरआलम 48 वर्ष पुत्र इकबाल एक बाइक पर सवार होकर गुरुवार की सुबह करीब 8:00 बजे कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव स्यालु नंगला में मकान की चिनाई करने के लिए जा रहे थे।

इसी दौरान नहटौर कोतवाली देहात मार्ग पर गांव फुलसंदा में कोतवाली देहात की ओर से आ रही ईको कार ने उनकी बाइक की टक्कर मार दी। नूर शाह व शाहिद अहमद की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि नूर आलम की जिला अस्पताल में ले जाते समय राश्ते में मौत हो गई। मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

नूर शाह व शाहिद दोनों राजमिस्त्री थे और नूर आलम मजदूर था।तीनों बाइक से मजदूरी करने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान हादसा हो गया बताया जाता है कि बाईक सवार चालक ने हेल्मेट नहीं लगा रखा था।

उधर ईको कार टक्कर लगने के दौरान पलट गई।उसमें बैठी सवारियां व चालक मौके से फरार हो गए। ईको कार में बैठे चार लोग मामूली रूप से चोटिल हुए है। इको कार चालक कोतवाली देहात में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद फीना जा रहे थे। पुलिस ने तीनों के शवो को सीलकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक नूर शाह के पुत्र नावेद शाहिद ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना अध्यक्ष धीरज नागर का कहना है कि मृतको के शवो का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया गया है और इको कार चालक का पता लगाया जा रहा है। दोनों वाहनो को कब्जे में लिया गया है।

डीएम ने कई कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा आज दोपहर औचक रूप से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, पॉलिटेक्निक सीतापुर नेत्र चिकित्सालय तथा दुष्यंत पुश्तकालय का निरीक्षण किया गया।

सर्वप्रथम जिलाधिकारी द्वारा बीएसए कार्यालय परिसर में स्थित पुश्तकालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय 05 युवा लाइब्रेरी में अध्ययन करते हुए पाए गए। पुश्तकालय में बैठने की अपेक्षित जगह न होने के कारण उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि अनावश्यक अलमारी और अनावश्यक पुश्तकों को वहां से हटाए तथा उसके स्थान पर बैठने की व्यवस्था किया जाना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर उन्होंने लाइब्रेरी में पुश्तकों की जानकारी भी प्राप्त की और कंपटीशन आधारित पुश्तकों को भी पुश्तकालय में उपलब्ध करने के निर्देश दिए।

तदुपरांत उनके द्वारा जिला बेसिक शिक्षा कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कमरों में मकड़ी के जाले, जर्जर फ़र्श और भारी गंदगी पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि तत्काल सफाई की व्यवस्था दुरुश्त कराते उसे नियमित रखें और साथ ही जर्जर फ़र्श की मरम्मत और सफाई करना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि बेसिक शिक्षा कार्यालय में खाली कमरे को अतिरिक्त लाइब्रेरी कक्ष के रूप में नियोजित करें ताकि उसका सदुपयोग हो सके।

पॉलिटेक्निक कॉलेज का निरीक्षण के दौरान सत्र पूरा होने के कारण कॉलेज में बच्चे नहीं पाए गए परंतु सभी व्यवस्थाएं कंप्यूटर कक्ष, कार्यशाला आदि सुव्यवस्थित पाए जाने पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। खाली कक्षाओं में एलईडी पाए जाने पर उन्होंने अपने सामने एलईडी संचालन कराया, जो सुचारू रूप से क्रियाशील पाई गई। उन्होंने कॉलेज के प्रधानाचार्य को निर्देशित किया कि सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ करें और नियमित रूप से कॉलेज एवं परिसर को स्वच्छ रखें।

जिलाधिकारी श्रीमती कौर ने दुष्यंत लाइब्रेरी का निरीक्षण करते हुए वहां अध्ययन कर रहे बच्चों से बातचीत की और किताबों की उपलब्धता के बारे में पूछा। पुश्तकालय में पुरानी किताबें पाए जाने पर उन्होंने निर्देश दिए कि उनके स्थान पर नई पुश्तक जिनमें कंपटीशन से संबंधित पुश्तक भी शामिल हों, उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के दौरान पुश्तकालय के तीनों कक्षों में सफाई व्यवस्था दुरुश्त पाई गई।

इसके बाद डीएम ने सीतापुर नेत्र चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान वहां मौजूद चिकित्सक एवं कर्मचारियों से मरीज को दवाइयां की उपलब्धता एवं अन्य संबंधित जानकारी प्राप्त की और ओपीडी रजिस्टर आदि को भी चेक किया गया, सभी अभिलेख अद्यतन पाए गए।

सीतापुर नेत्र चिकित्सालय परिसर में होम्योपैथिक डिस्पेंसरी के निरीक्षण के दौरान भी सभी व्यवस्थाएं दुरुश्त पाई गईं। जिलाधिकारी द्वारा इससे पूर्व इंदिरा बाल भवन में रेड क्रॉस सोसाइटी के तत्वाधान आयोजित दिव्यांग जनों को निशुल्क उपकरण वितरित करने के लिए आयोजित पंजीकरण कैंप का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने निर्देश दिए कि पात्रता के आधार पर सभी दिव्यांग जनों को निशुल्क उपकरण उपलब्ध कराने के लिए अधिक से अधिक पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी योगेंद्र सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक जयकरण यादव, नायब तहसीलदार मुहम्मद फैसल आदि मौजूद थे।

कार लूटने वाले बदमाश एक वर्ष बाद दबोचे

एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने गुरुवार की सुबह चार बदमाशों को गिरफ्तार किया।

उन्होंने एक वर्ष पहले नोएडा से कार लूटी थी। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटी गई कार के कुछ पाट्र्स बरामद किए। सूरजपुर कोतवाली पुलिस के मुताबिक पकड़े गए बदमाशों की पहचान मनीष और लक्की कसाना निवासी ग्राम भूपखेड़ी थाना लोनी जनपद गाजियाबाद, मनीत उर्फ मन्नी निवासी ग्राम अटाई मुरादपुर ग्रेटर नोएडा और शोएब कुरेशी निवासी शिवदयालपुरा जिला हापुड़ के रूप में हुई है।

ऑफिस के लिए घर से निकली युवती लापता, अपहरण की आशंका

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷

सेक्टर-34 स्थित अरावली अपार्टमेंट निवासी युवती तीन दिन पहले घर से ऑफिस के लिए निकली, लेकिन घर नहीं लौटी। मां ने पंजाब के गुरदासपुर निवासी युवक पर शादी के लिए दबाव बनाने और बात न मानने पर पंजाब के आतंकवादियों से हत्या कराने की धमकी देने के आरोप में सेक्टर-24 थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

पीड़ित महिला ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी एमबीए करने के बाद दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित कंपनी में काउंसलर है। इससे पूर्व बेटी उत्तम नगर में कोचिंग करने जाती थी। जहां पर उसकी मुलाकात पंजाब के जिला गुरदासपुर निवासी सुशांत से हुई।

आरोपी ने उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर नए-नए लालच देकर अपने जाल में फंसा लिया। उसकी बेटी की इच्छा के विरुद्ध शादी करने के लिए दबाव बनाया। उसकी बेटी ने उसके हथकंडे से परेशान होकर उसके साथ दोश्ती करने से मना किया तो वह उसके साथ जबदरश्ती करने लगा।

संपादकीय

पाकिस्तान को माकूल जवाब

मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात को भारतीय सेना ने बेहद पेशेवराना अंदाज़ में पाकिश्तान की जमीन पर चल रहे आतंकियों के 9 ठिकानों को उड़ाकर रख दिया। बड़ी संख्या में दहशतगर्दों को मौत की नींद सुलाने वाले 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये उन निर्दोषों को न्याय दिया गया जो कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में आतंकवादियों द्वारा की गयी अंधाधुंध फायरिंग में मारे गये थे। उस कायराना और अमानवीय आतंकी कार्रवाई में कई सुहाग उजड़े थे।

सम्भवतः इसीलिये इस ऑपरेशन को 'सिंदूर' नाम दिया गया। सेना ने यह कार्रवाई बुधवार तड़के में और बुधवार शाम को ही युद्धाभ्यास के रूप में भारत 244 जिलों में अपने नागरिकों को बचाने के लिये सामूहिक मॉक ड्रिल करने जा रहा था। बुधवार की शाम को यह सफलतापूर्वक किया भी गया। भारतीय सैन्य अधिकारियों ने इस पूरे ऑपरेशन का विवरण देते हुए सुबह दिल्ली में बुलाई एक प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि पड़ोसी मुल्क के किसी भी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया और तब तक किसी भी नागरिक के मारे जाने की खबर नहीं थी।

हालांकि आतंकी मसूद अजहर के परिवार के 10 लोगों के मारे जाने की खबर खुद मसूद अजहर के हवाले से ही आई है। वहां से कुछ आम नागरिकों के घायल होने की अपुष्ट खबरें भी हैं जो वायरल वीडियो के जरिये पहुंची हैं। इस जवाबी हमले के बाद पाकिश्तानी सेना द्वारा सीमा से सटे पूंछ इलाके में फायरिंग किये जाने के समाचार मिले हैं जिनमें 10 भारतीयों के मारे जाने तथा कुछ लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है।

भारतीय सेना के तीनों अंगों की यह संयुक्त कार्रवाई इसलिये काबिले-तारीफ है कि इससे विश्व बिरादरी को कहीं भी शिकायत या आपत्ति दर्ज करने का मौका नहीं मिला है। पाकिश्तान के पास भी इसलिये कहने को कुछ भी नहीं रह जाता क्योंकि जिन ठिकानों को हमलों के जरिये नेश्तनाबूद किया गया वे सटीक जानकारी के आधार पर उड़ाये गये हैं और यह पहले से साबित हो चुका था कि उन ठिकानों से चरमपंथी भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देते रहे हैं। पहलगाम घटना का सबक भारतीय सेना ने आतंकियों को अच्छी तरह से सिखा दिया।

पाकिश्तान के पास भी विरोध के नाम पर कुछ कहने को रह नहीं जाता इसलिये अब वहां से सुलह और शांति की बातें सेना की ओर से आ रही हैं। पाकिश्तानी सेना के अफ़सर जानते हैं कि पहलगाम घटना के बाद विश्व सहानुभूति भारत के साथ है। दूसरे, इस वक्त उसकी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वह इस घटना को बड़ी लड़ाई में तब्दील करने का दुस्साहस करे। यदि वह ऐसा करता है तो यह उसकी वैसी ही भूल होगी जो वह 1999 में कारगिल तथा उसके पहले तीन बार पूर्ण युद्ध छेड़कर कर चुका है। हर बार उसे मुंह की खानी पड़ी।

बेशक, हर बार की ही तरह इस वक्त भी भारत का ही पलड़ा भारी है लेकिन उसे भी युद्ध से बचना होगा। इस कार्रवाई से देश के अंदर आतंकियों के खिलाफ़ जो असंतोष व नाराज़गी बनी थी, उसे मिटाने में सरकार को काफी हद तक सफलता मिल गयी है। जो चीन लड़ाई की स्थिति में पाकिश्तान के साथ खड़ा होने की बात कर रहा था, उसके पास भी कोई कारण और अवसर नहीं रह जाता कि वह पाक को समर प्रांगण में ढकेले। पाकिश्तान से भी इसी आशय के संकेत मिल रहे हैं कि चीन का साथ मिलने के बावजूद पाकिश्तान युद्ध से बचेगा।

दूसरे, अगर वह लड़ाई छेड़ता है तो माना जायेगा कि वह आतंकवादियों का इस हद तक समर्थन करता है कि उसके लिये लड़ाई तक छेड़ सकता है। पहले भी उस पर दहशतगर्दों को पनाह देने और अपनी धरती का इश्तेमाल करने देने के आरोप लगते रहे हैं। उसे इस मामले में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी आलोचना झेलनी पड़ी है, परन्तु पाकिश्तान अक्सर यह कहकर खुद को बचा लेता है कि वह स्वयं आतंकवाद से पीड़ति है।

हालांकि उसकी बातों में आंशिक सच्चाई तो है कि पाकिश्तान में भी ये आतंकवादी कार्रवाइयां करने से बाज नहीं आते, जिनमें उसके अपने नागरिक अक्सर मारे जाते हैं। फिर भी उसे आतंकवाद को प्रश्रय और सहायता देने के आरोपों से पूरी तरह मुक्त नहीं किया जा सकता क्योंकि आतंकियों के सफाये के लिये वह उस संजीदगी व सघनता से काम नहीं करता, जैसा कि अपेक्षित है। पाकिश्तान के कट्टरपंथी धार्मिक व राजनीतिक नेताओं, सेना एवं आईएसआई की मिलीभगत से ऐसा होता है- इससे भी सहमत हुआ जा सकता है।

दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पहले ही यह कह दिया था कि 'भारत व पाकिश्तान दोनों ही उनके करीब हैं'। वे यह भी मानते हैं कि दोनों देश अपनी समस्या को मिलकर सुलझा सकते हैं। इसका साफ अर्थ है कि फिलहाल अमेरिका बीच में नहीं पड़ेगा लेकिन चाहेगा कि दोनों देश लड़ाई-झगड़े में न पड़ें। भारत को जो हासिल करना था, वह उसने कर लिया है।

अब उसे इसलिये भी इस मामले को जल्दी समेट लेना चाहिये क्योंकि अभी ज्यादातर देश उसके साथ हैं। कम से कम कोई विरोध में आता नहीं दिख रहा है। चीन जो पाकिश्तान के साथ आने की बात कह रहा था, उसके पास अब कोई कारण नहीं रह गया है।

यदि आतंकवाद से लेकर किसी भी मुद्दे पर पाकिश्तान कोई चर्चा करना चाहता है या इस मसले को विराम देना चाहता है, तो भारत को भी सकारात्मक प्रतिसाद देकर मामले को खत्म करना चाहिये। बेशक वह ऐसा करने के पहले पाकिश्तान को कड़ी चेतावनी दे।

मसलों पर समय सीमा तय करने पर विवाद क्यों?

चैतन्य भट्ट

उच्चतम न्यायालय ने राज्यपालों और राष्ट्रपति के श्तर पर विधेयक स्वीकृत करने संबंधी समय सीमा निर्धारित क्या की, समूचे राजनीतिक जगत में जैसे भूचाल आ गया। नेताओं द्वारा इसे विधायिका की कार्यवाही में सीधा हश्तक्षेप मानते हुए इस कार्यवाही को न्यायपालिका द्वारा अपनी सीमा लांघने जैसे बयान दिए जाने लगे।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बयान दे डाला कि संविधान की मूल भावना के 'अंतिम स्वामी' चुने हुए जनप्रतिनिधि होते हैं और संसद से ऊपर कोई भी नहीं है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे तो इतने आगे चले गए कि, यदि सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाना है तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए, और भारत में गृह युद्ध के लिए सीजेआई खन्ना जिम्मेदार हैं

धनखड़ के बयान पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ कानूनविद कपिल सिब्बल मैदान में आए। उन्होंने कहा कि न तो संसद और कार्यपालिका नहीं संविधान सर्वोच्च है जिसके प्रावधानों की व्याख्या सुप्रीम कोर्ट द्वारा की जाती है। इस देश ने अब तक कानून को इसी तरह समझा है।

ब्बिल ने उपराष्ट्रपति का नाम तो नहीं लिय मगर कहा कि शीर्ष अदालत के हालिया फैसले, जिनकी कुछ भाजपा नेताओं और उपराष्ट्रपति ने आलोचना की है, हमारे संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप और राष्ट्रीय हित से प्रेरित हैं। संसद को कानून बनाने का पूर्ण अधिकार है मगर संविधान की व्याख्या करना और पूर्ण न्याय करना न्यायालय का दायित्व है। जहां तक निशिकांत दुबे का प्रश्न है भाजपा ने उनके बयानों से खुद को अलग कर लिया है

लोकतंत्र के महत्वपूर्ण श्तंभ न्यायपालिका और विधायिका के बीच ऐसी परिस्थितियां निस्संदेह दुर्भाग्यपूर्ण हैं। मगर यह भी तय है कि किसी भी समृद्ध लोकतंत्र में जनहित से जुड़े कार्यों को लेकर समय-सीमा निर्धारित होनी चाहिए। तमिलनाडु के राज्यपाल के रवि के मामले को देखें तो तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा पारित अनेक विधेयक तो तीन साल से ज़्यादा की अवधि के बाद भी उनके कार्यालय में लंबित थे। और यह अकेला मामला नहीं है।

विरोधी पक्ष की सरकारें वाले देश के कितने ही राज्यों में स्थितियां कमोबेश यही हैं। संवैधानिक रूप से राज्यपाल पद बेहद मर्यादित है और उस पर बिना किसी राजनैतिक दल या विचारधारा के प्रति पूर्वाग्रह के विशुद्ध रूप से राज्य सरकार की प्रशासनिक मदद का दायित्व है।

टकराव की यह परिस्थितियां और राज्यपाल पद का राजनीतिक दुरुपयोग पहले भी होता रहा है और पूर्ववर्ती केंद्र सरकारों ने तो चुनी हुई राज्य सरकार गिराने तक में इसका प्रयोग किया है। जहां तक विधायिका का प्रश्न है, संसद की कार्यवाही कमोबेश हर सत्र में हंगामे और बहिष्कार का शिकार होती दिखती है। स्वस्थ बहस के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण यह संस्था अब सरकार और विरोध पक्ष के संघर्ष के लिए ज्यादा पहचानी जाती है।

जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक सालों से लंबित पड़े हैं। सदस्यों के लंबित प्राईवेट विधेयकों की संख्या तो सैकड़ों पार कर रही है।

यही हाल विधानसभाओं का है। महत्वपूर्ण विधेयक लंबित रहते हैं और जो स्वीकृत हो जाते हैं वे राजनीतिक रस्साकसी का शिकार होकर वर्षों राज्यपाल के श्तर पर धूल फांकते रहते हैं।

विधानसभा सत्र के दौरान उठाए गए प्रश्न या समस्या पर मंत्री की घोषणा आश्वासन बन जाती है। सत्र में पूछे गए प्रश्न के उत्तर के आधार पर भी आश्वासन बन जाते हैं। ऐसा आश्वासन निभाना संवैधानिक बाध्यता न सही नैतिक आवश्यकता तो है।

यह चुनाव मंच पर किया गया वादा नहीं अपितु सदन जैसे संवैधानिक मंदिर में दिया गया भरोसा है। मगर इसके प्रति आवश्यक गंभीरता का सर्वथा अभाव है। मध्यप्रदेश विधानसभा के परिप्रेक्ष्य में ही ऐसे ढाई हजार के लगभग लंबित आश्वासन बताते हैं कि विधानसभा में किसी जनोपयोगी आवाज उठ भी जाए तो उसकी सुनवाई जरूरी नहीं है। क्या ऐसे आश्वासनों की पूर्ति के लिए समय-सीमा निर्धारित किया जाना आवश्यक नहीं है?

यह लेट लतीफी सिर्फ संसद और विधानसभाओं की कार्यवाही तक ही सीमित नहीं है। निर्वाचित सरकारें जन सामान्य के हितों और शिकायतों से संबंधित कार्यों के समय-सीमा निर्धारित कर ही अपना दायित्व पूरा समझ लेती हैं।

प्रदेश को ही लें, आम जनता की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए बनाई गई सीएम हेल्पलाइन में पिछले अक्टूबर की स्थिति में 7 लाख से अधिक शिकायतें पेंडिंग थीं, जिनमें से 3 लाख से अधिक 100 दिनों की समय सीमा पार कर चुकी थीं।

इनमें पीएम आवास योजना (ग्रामीण) में राशि न मिलने, पीएम मातृ वंदन योजना, श्रमिक प्रसूति सहायता और जननी सुरक्षा, पुलिस विवेचना में लापरवाही और कोर्ट में केस पेंडेंसी और संबल योजना का लाभ न मिलने जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं से संबंधित शिकायतें शामिल थीं। तथाकथित निराकृत प्रकरणों में भी शिकायतें येन-केन प्रकारेण निपटाए जाने जैसे मामले ही ज्यादा थे।

सरकारों को समझना चाहिए कि उनका दायित्व सिर्फ जनोपयोगी योजनाएं बनाने तक ही सीमित नहीं है।

अफसरशाही इन लाभों को जन-सामान्य तक पहुंचाने का जरिया है और अगर यह व्यवस्था ठीक काम नहीं करती और लाभ निर्दिष्ट व्यक्ति तक नहीं पहुंचता है तो सारा का सारा तामझाम व्यर्थ है। हर कार्य के लिए न सिर्फ समय-सीमा निर्धारित होना चाहिए बल्कि उसका पालन हो रहा है या नहीं इसके लिए भी एक पारदर्शी व्यवस्था निर्धारित होना चाहिए।

यह समझ जितनी जल्दी आ जाए उतना ही अच्छा होगा। और अगर विधायिका ऐसा नहीं कर पाती है और न्यायालय हश्तक्षेप करता है तो फिर इसे सीमा का उल्लंघन कहना कदापि उचित नहीं होंगा।

दूसरी तरफ न्यायालयों को भी इस बात पर विचार करना होगा कि अदालतों में लंबित मामलों की भी एक सीमा तय की जाय देखना होगा किस मसले पर विवाद कैसे हल हो सकेगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

'आपरेशन सिंदूर' एक सार्थक पहल और सख्त सन्देश

ललित गर्ग

पहलगाम आतंकी हमले में सुहागनों के सिन्दूर को उजाड़ने वालों पर कड़ा प्रहार करते हुए 'आपरेशन सिंदूर' की सफलतम कार्रवाई हर भारतीय के सीने को गर्व से भरने वाली है।

बुधवार की सुबह पाकिश्तान और पाकिश्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी शिविरों पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा की कई सटीक, संयमित एवं नपी-तूली कार्रवाई पाकिश्तान को करारा सबक एवं सख्त संदेश है।

निश्चित ही अब भारत की आत्मा पर होने वाले हमलों को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। 'आपरेशन सिंदूर' में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े नौ ठिकानों को निशाना बनाया गया।

पाकिश्तान में मौजूद 90 आतंकी मारे गए। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए की गई, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। भारत भीतर घूस कर मारता है, इस बार भी उसने बिना पाकिश्तानी सीमा में प्रवेश किये, आतंकवादियों को नेश्तनाबूद करने का कार्य किया, जो बहुत सराहनीय कदम है, गौरवान्वित करने और जोश से भर देनेवाली साहसिक एवं अनूठी घटना है।

'आपरेशन सिंदूर' से आतंकवाद को समाप्त करने की दिशा में एक सार्थक पहल हुई है। शांति का आश्वासन, उजाले का भरोसा भारत से ही क्यों किया जाता है, कब तक हम अपनी मानवीयता एवं संवेदनशीलता को दर्शाते रहेंगे? इस बार समूचा देश एकजुट हुआ, उन्हें तो आतंक का माकूल जबाव चाहिए था, पाकिश्तान में पोषित हो रहे आतंकवाद के लिये कठोर कार्रवाई चाहिए थी।

वायुसेना की इस कार्रवाई से न केवल भारत को बल्कि समूची दुनिया को राहत की सांसें मिली हैं। इस कार्रवाई से भारत ने पाकिश्तान को बेहद सख्त और निर्णायक संदेश दिया है कि अब आतंकवाद नहीं चलेगा। भारत ने किसी भी पाकिश्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया है।

भारत ने लक्ष्यों के चयन और निष्पादन के तरीके में काफी संयम बरता है। नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइलों से हवाई हमला किया गया। ऑपरेशन को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुझाया था, पहलगाम में 26 हिंदू पर्यटकों की नृशंस हत्या के बाद, यह जवाब भारतीय बहनों एवं सुहागिनों के लिए एक उचित प्रतिशोध है, जिन्होंने बर्बर आतंकी हमले में अपने पतियों को खो दिया।

भारत के बदले की कार्रवाई का समय भी महत्वपूर्ण है। एयर स्ट्राइक एक हिंदू परिवार में मौत के बाद शोक के 13 दिन (तेरहवीं) के बाद हुई और हमारी बहनों एवं पीड़तिों को उचित न्याय मिला है। भारतीय वायु सेना द्वारा अपनी सीमा के भीतर से दागी गई सटीक मिसाइलों के माध्यम से मुजफ्फराबाद, कोटली, गुलपुर, भिमबर, सियालकोट, चक अमरू, मुरीदके और बहावलपुर में केवल ज्ञात और पहचाने गए आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। भारत ने बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के कुख्यात आतंकी मुख्यालय को नष्ट कर स्पष्ट संदेश दिया है।

जैश-ए-मोहम्मद चीफ हाफिज सैयद द्वारा बनाया गया यह स्थान आतंक का केंद्र, प्रयोगशाली एवं नर्सरी बन गया था। आगे भी भारतीय सेनाएं किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार हैं। भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने के अपने संकल्प पर दृढ़ है।

पहलगाम हमले के बाद पाकिश्तान की बहानेबाजी एवं आतंकवाद को लगातार प्रोत्साहन एवं पल्लवन देने की स्थितियों को देखते हुए यह आवश्यक हो गया था कि उसे न केवल सबक सिखाया जाए, बल्कि यह संदेश भी दिया जाए कि भारत अब उसकी चालबाजी में आने वाला नहीं है।

यदि भारत ने पाकिश्तान और वहां पल-पल पनप रहे आतंकवाद को सबक नहीं सिखाया तो वे पुलवामा, उरी, पहलगाम जैसी दुखद घटनाओं को अंजाम देते रहेंगे, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक सच्चे राष्ट्रभक्त एवं राष्ट्रनायक की भांति आतंकवाद की अनिर्णायक स्थिति में निष्पक्षता एवं कठोरता का पार्ट अदा किया हैं।

अब तक हमने सदैव "क्षमा करो और भूल जाओ" को वरीयता दी है। यही कारण है कि आतंकवाद बढ़ता गया, आतंकवादी पनपते गये, निर्दोष लाशें बिछती रही। अब यह वक्त बताएगा कि पाकिश्तान कोई सही सबक सीखता है या नहीं, लेकिन इसमें दोराय नहीं कि एयर स्ट्राइक से बिना उसकी सीमा में घुसे बड़े आतंकी अड्डे पर हमला करके यह बता दिया कि भारत के सहने की एक सीमा है, उसके धैर्य का बांध टूट गया है। पाकिश्तानी सेना की उन्मादी मानसिकता एवं विकृत सोच को हम जानते हैं कि वह अपनी गंदी चालों से बाज नहीं आयेगा। लेकिन भारतीय सैन्य बल के सामने वह टिक नहीं पाएंगे। इस बार भारत पाकिश्तान के किसी भी दुस्साहस से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

भारतीयों ने भी मोदी सरकार के नेतृत्व के पीछे अभूतपूर्व एकता दिखाई है। जाहिर है कि पाकिश्तान बड़े-बड़े दावे करेगा और दुनिया के सामने विक्टिम कार्ड खेलने की कोशिश करेगा। लेकिन पाकिश्तान को स्पष्ट संदेश मिल गया है भारत के साथ खिलवाड़ न करें। फिलहाल पहलगाम आतंकी हमले के पीड़तिों को न्याय मिल गया है। पाकिश्तान से आतंक की जड़ों को मिटाने का यह स्पष्ट और सार्थक कदम है।

पाकिश्तान ने संयम एवं इंसानियत को छोड़ दिया है, उसने मर्यादा और सिद्धान्तों के कपड़े उतार कर नंगापन को ओढ़ लिया है। पूर्वाग्रह एवं आतंकवादी अहंकार के कारण वह विवेकशून्य हो गया है। उसको एवं उसके द्वारा पोषित आतंकवाद को पराश्त करना जरूरी हो गया था, उसको पराश्त करने का अर्थ उसे काबू में कर सही राश्ते पर लाना नहीं बल्कि आतंकवाद नेश्तनाबूद करना है।

अब भी यदि वह सबक नहीं सिखता है तो उसका संकट बढ़ सकता है। भारत युद्ध नहीं चाहता, लेकिन पाकिश्तान युद्ध की मानसिकता से ग्रश्त है। उसे यह भी समझ आना चाहिए कि परमाणु बम के इश्तेमाल की उसकी धमकियां अब काम आने वाली नहीं। हर आतंकवादी घटना मानवीयता को घायल करती है और हर ऐसी जलने वाली लाश का धुआं मानवता पर कालिख पोत देता है।

लेकिन आतंकवाद के शमन का राश्ता खोल कर भारत ने दुनिया को भी आश्वश्त किया है कि अब आतंकवाद की दिन लद गये है। भारत की कार्रवाई इस दिशा में एक सार्थक पहल है जिसने आतंकवाद के पैर ले लिये हैं, उसे पंगु बना दिया है। यह निश्चित ही सम्पूर्ण मानवता के लिये उजली सुबह की आहत है। दरअसल, पाकिश्तान इसलिए अपनी आतंकी सोच बढ़ाता जा रहा था, क्योंकि उसे ठीक से कड़ा संदेश नहीं मिल रहा था। इस तरह उनकी हिम्मत बढ़ती गयी थी और उसने भारत में एक नहीं अनेक बार पहलगाम जैसी दर्दनाक घटनाओं को अंजाम दिया है। उनकी आतंकी योजनाओं को नाकाम करने की सख्त जरूरत पड़ी, ताकि आगे हम अपने और जवान न खोयें, निर्दोषों को मरते न देखें, अशांति को न झेले एवं भय को न जीये।

भारत ने यह कर दिखाया है। तमाम आतंकी अड्डे को मटियामेट किया गया, वैसे तमाम अड्डे पाकिश्तानी सेना के संरक्षण और समर्थन से ही चलते रहे हैं। अभी तक पाकिश्तान ऐसे अड्डों को खत्म करने का दिखावा करने के साथ यह बहाना भी बनाता रहा है कि हम तो खुद ही आतंक के शिकार हैं। यह झूठ न जाने कितनी बार बेनकाब हो चुका है, किंतु पाकिश्तान बेशर्मी से बाज नहीं आता। सफल हवाई हमले को अंजाम देने के बाद भारत दुनिया को यह संदेश देने में भी कामयाब रहा कि उसने पाकिश्तान को निशाना बनाने के बजाय उसके यहां कायम आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया।

वायुसेना ने अपनी पराक्रम क्षमता और साहस का जो परिचय दिया, वह पाकिश्तान के साथ विश्व समुदाय को भी एक संदेश है। वह यह संदेश इसीलिए दे सकी, क्योंकि प्रधानमंत्री ने जरूरी राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया। पाकिश्तान के मनोबल को तोड़कर ही आतंकवाद को पराश्त किया जा सकेगा। अब पाकिश्तान को यह भय भी सताएगा कि उसकी ओर से भारत के खिलाफ कोई कदम उठाया गया तो उसे कहीं अधिक करारा जवाब मिलेगा।

उस जबाव का अर्थ होगा पाकिश्तान के सम्मुख संकटों के पहाड़ खड़े होना, वहां की अर्थ-व्यवस्था ध्वश्त होना, जनजीवन का परेशान होना, अंतर्राष्ट्रीय श्तर पर अलग-थलग पड़ना। भारतीय सेना को अब और भी ज्यादा मुश्तैद-सतर्क रहना होगा और बेहतर रणनीति के साथ तैयारी भी मजबूत रखनी होगी, ताकि पाकिश्तान की तरफ से अगर कोई जवाबी कार्रवाई होती है, तो उसका हमारी सेना मुंहतोड़ जवाब दे सके।

आतंकवाद के विरुद्ध प्रतिशोध और शौर्य का प्रतीक बना 'ऑपरेशन सिंदूर'

योगेश कुमार गोयल

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब 15 दिन बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से देकर एक बार फिर यह जता दिया है कि अब वह न तो चुप रहेगा और न ही आतंकी हमलों को बर्दाश्त करेगा।

इस हमले में भारत के 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी और यह हमला स्पष्ट रूप से पाकिश्तान के आतंकी ठिकानों से ही संचालित किया गया था। इसके सटीक जवाब में भारत ने 7 मई सुबह डेढ़ बजे पाकिश्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों के 9 ठिकानों को ध्वश्त करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया।

भारत की यह एक सुनियोजित, सीमित और सटीक सैन्य कार्रवाई थी, जिसका उद्देश्य स्पष्ट था, आतंकवाद को उसी की जमीन पर कुचलना। इस ऑपरेशन को 'सिंदूर' नाम देना भारत की सांस्कृतिक और भावनात्मक सोच को दर्शाता है। 'सिंदूर' एक ओर जहां भारतीय संस्कृति में शक्ति, सौभाग्य और सम्मान का प्रतीक है, वहीं इस संदर्भ में यह उन शहीदों के बलिदान की लालिमा भी है, जिनकी शहादत का बदला लेने के लिए यह कार्रवाई की गई।

ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल उन आतंकी ढ़ांचों के विरुद्ध था, जो लगातार भारत में घुसपैठ, आत्मघाती हमले और हथियारों की तस्करी को बढ़ावा दे रहे थे। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है, वहीं मुजफ्फराबाद और कोटली लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के लिए लांच पैड के रूप में काम आते हैं।

इन स्थानों पर हुए हमलों के माध्यम से भारत ने उन आतंकी गुटों की कमर तोड़ने की कोशिश की है, जो वर्षों से भारत को अस्थिर करने की कोशिश में लगे हुए थे।

इस ऑपरेशनके जरिये भारत ने अपने नागरिकों को यह भरोसा भी दिलाया है कि देश की सुरक्षा महज कागजों तक सीमित नहीं है बल्कि उसे धरातल पर भी लागू किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर यह विश्वास पैदा करता है कि अब भारत किसी भी आतंकी हरकत का जवाब उसी भाषा में देगा और अपने सैनिकों और नागरिकों की शहादत व्यर्थ नहीं जाने देगा। यह संदेश केवल पाकिश्तान के लिए ही नहीं बल्कि उन ताकतों के लिए भी है, जो सीमा पार से भारत के खिलाफ जंग छेड़े हुए हैं।

भारतीय वायुसेना ने इस ऑपरेशन के तहत अत्याधुनिक मिसाइलों का इश्तेमाल करते हुए बहावलपुर, मुजफ्फराबाद, कोटली, मुरीदके, बाघ और पाकिश्तान के पंजाब प्रांत की कुछ आतंक-प्रवण लोकेशनों पर हमलाकर पूरी दुनिया को यह दिखा दिया है कि आतंकवाद से निपटने के लिए उसे अब किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है और वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाने को तैयार है।

इस ऑपरेशन की योजना और क्रियान्वयन अत्यंत गोपनीय और तकनीकी रूप से उन्नत श्तर पर हुई। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 22 अप्रैल के हमले के बाद जिस तेजी से पाकिश्तान के आतंकी ठिकानों की पहचान की और सेना के साथ समन्वय किया, वह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की परिपक्वता का प्रमाण है।

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान में स्पष्ट किया गया है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल आतंकवाद के अड्डों को निशाना बनाना था, न कि पाकिश्तानी सैन्य ठिकानों या नागरिक आबादी को। इस ऑपरेशन के दौरान भारत ने कुल 24 मिसाइलें दागी, जिनमें से अधिकांश लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के ठिकानों पर सटीकता से गिरी। बताया जा रहा है कि इन हमलों में कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है, जिनमें लश्कर और जैश के कई शीर्ष कमांडर भी शामिल हैं, जो भारत में आतंकी हमलों की योजना बनाते रहे हैं। पाकिश्तान का स्थानीय मीडिया और प्रशासन पहले इस हमले को नकारते रहे, फिर अलग-अलग बयान देकर भ्रम फैलाने की कोशिश की।

पाकिश्तानी सेना के आईएसपीआर प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने दावा किया कि भारत ने 6 अलग-अलग स्थानों पर मिसाइलें दागी, जिनमें 8 नागरिकों की मौत हुई। वहीं दूसरी ओर, पाकिश्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जियो टीवी पर दावा किया कि भारत ने अपने ही हवाई क्षेत्र से हमला किया और मिसाइलें रिहायशी इलाकों पर गिरी।

पाकिश्तान के दावे आपस में ही विरोधाभासी हैं, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वे न तो इस हमले के लिए तैयार थे और न ही उनके पास इसकी ठोस जानकारी है। वहीं, भारत ने इस ऑपरेशन के तुरंत बाद अमेरिका को इस कार्रवाई की जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अमेरिकी एनएसए और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात कर उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह आतंकवाद के खिलाफ थी, न कि पाकिश्तान की संप्रभुता के विरुद्ध।

भारतीय दूतावास ने अमेरिका में बयान जारी कर बताया कि भारत ने किसी भी पाकिश्तानी नागरिक, सैन्य या आर्थिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, केवल उन्हीं आतंकी शिविरों पर हमला किया गया, जो भारत के खिलाफ साजिश रच रहे थे।

इस ऑपरेशन के पूरे समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी निगरानी कर रहे थे। उन्होंने सेना को पूर्ण स्वतंत्रता दी थी और इस ऑपरेशन की बारीकियों पर लगातार नजर बनाए रखी।

ऑपरेशन पूरा होने के बाद भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 'जस्टिस इज सर्व्ड' यानी 'न्याय हो गया' लिखा जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'भारत माता की जय' के नारे के साथ इस कार्रवाई को राष्ट्र के प्रति समर्पित किया।

इस ऑपरेशन के बाद भारत और पाकिश्तान के बीच तनाव और बढ़ना स्वाभाविक था। पाकिश्तान की ओर से फायरिंग और जवाबी बयानबाजी जारी रही। पाकिश्तान के मीडिया ने प्रोपेगेंडा फैलाने के लिए यह दावा किया कि पाकिश्तान ने भारत के 6 फाइटर जेट मार गिराए हैं, जिसमें 3 राफेल, 2 मिग-29 और 1 सुखोई शामिल हैं, साथ ही भारतीय सेना की 12वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड के मुख्यालय को नष्ट करने का झूठा दावा भी किया गया। हालांकि भारत द्वारा इन बेबुनियाद झूठे दावों को सिरे से खारिज कर दिया गया है।

भारत का अगला कदम अब इस कार्रवाई को कूटनीतिक और रणनीतिक श्तर पर वैश्विक समर्थन में बदलना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत आतंकवाद के खिलाफ अपने दृष्टिकोण को और मजबूत तरीके से प्रश्तुत करेगा।

अमेरिका, फ्रांस, रूस और इजरायल जैसे देश पहले ही भारत के साथ खड़े नजर आ रहे हैं परंतु संयुक्त राष्ट्र और इस्लामी देशों के संगठन (आईओसी) में पाकिश्तान अपने झूठे प्रचार को हवा देने की कोशिश अवश्य करेगा, इसलिए भारत को अब इस कूटनीतिक लड़ाई में भी स्पष्टता और तथ्यों के साथ आगे बढ़ना होगा।

बहरहाल, ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य और कूटनीतिक परिपक्वता का प्रतीक है। इसने साबित कर दिखाया है कि भारत अब संयम और जवाबदेही के साथ अपनी रक्षा नीति पर अमल कर रहा है। 'सिंदूर' का रंग भले ही सांस्कृतिक दृष्टि से सौभाग्य और शक्ति का प्रतीक हो परंतु इस सैन्य कार्रवाई में यह रंग आतंकवाद के विरुद्ध प्रतिशोध और शौर्य का प्रतीक बन गया है।

भारत ने दुनिया को यह बता दिया है कि वह न तो युद्ध चाहता है, न टकराव लेकिन यदि उसकी सीमाओं, नागरिकों और संप्रभुता को कोई चुनौती देगा तो उसका जवाब भी उतना ही सटीक, तीव्र और निर्णायक होगा।

भारत का यह बदलता हुआ रवैया उसकी सुरक्षा नीति को नई दिशा दे रहा है और यह संकेत है कि आने वाले समय में कोई भी आतंकी घटना भारत को मूकदर्शक नहीं बनाएगी बल्कि तत्काल और निर्णायक प्रतिघात से दुश्मन की कमर तोड़ी जाएगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

एनसीआर टुडे

संक्षिप्त समाचार

सुल्तानपुर में आंधी से चलती बोलेरो पर गिरा पेड़, चालक समेत दो की मौके पर मौत

सुल्तानपुर , एजेंसी। यूपी के सुल्तानपुर जिले में बुधवार रात करीब 12 बजे मौसम में अचानक बदलाव आया। तेज हवाएं चलने लगीं और हल्की बारिश शुरू हो गई। मोतिगरपुर से सुल्तानपुर की तरफ जा रही बोलेरो (क्र 44, 4131) पर लखनऊ-बलिया स्टेट हाइवे पर तेज हवा के झोंके से एक पाकड़ का पेड़ गिर पड़ा। यह पेड़ इस चलती गाड़ी पर गिरा। पेड़ गिरने से गाड़ी का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

पेड़ का बड़ा हिस्सा अगली सीट पर आया। हादसे में बोलेरो चालक जितेंद्र वर्मा (42) निवासी रामपुर (भोजापुर) थाना मोतिगरपुर और कोतवाली जयसिंहपुर के बरौंसा निवासी ओम प्रकाश वर्मा (45) की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची जयसिंहपुर पुलिस ने जेसीबी की मदद से पेड़ को हटवाया। प्रभारी थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। क्षतिग्रस्त बोलेरो को सड़क किनारे हटा दिया गया है। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

बाबा विश्वनाथ को चढ़ाई 1100 कमल के फूलों की माला, ऑपरेशन सिंदूर के बाद धाम में विशेष पूजन

वाराणसी, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद शिवभक्तों ने बाबा दरबार में विशेष पूजन किया। भारतीय सेना के शौर्य को बढ़ाने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विधर्मियों की बद्दुआ से बचाने के लिए बाबा से प्रार्थना की गई। बाबा विश्वनाथ को 1100 कमल के

फूल की माला और छह किलोग्राम मलाई गिलौरी और पांच किलो मालपुआ का भोग लगाया गया।

बुधवार की शाम को वाबा विश्वनाथ के भक्त हर-हर महादेव का जयकारा लगाते हुए श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे। बाबा विश्वनाथ के स्वर्ण शिखर को प्रणाम करके सभी गर्भगृह में पहुंचे। उन्होंने बाबा विश्वनाथ को 11 सौ कमल की माला अर्पित की।

बाबा विश्वनाथ से सेना के शौर्य को बढ़ाने के लिए प्रार्थना और अभिषेक किया। इसके साथ ही बाबा विश्वनाथ को छह किलो मलाई गिलौरी और पांच किलोग्राम मालपुआ अर्पित किया गया। इस दौरान अभिषेक द्विवेदी गणेश, अजय शर्मा, संजय मिश्र, कन्हैया दुबे, श्रीशरंजन त्रिपाठी मौजूद रहे।

डीजे के वाहन के नीचे दबकर पांच वर्षीय बच्ची घायल

अमरोहा , एजेंसी। डीजे के वाहन के नीचे दबकर पांच वर्षीय बच्ची घायल हो गई। घायल बच्ची का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली क्षेत्र के गांव मल्लवाली डगरौली निवासी शीशपाल सिंह ने पुलिस को तहरीर दी। बताया कि मंगलवार को गांव के ही व्यक्ति ने शादी के बाद दुल्हन घर आने की खुशी में डीजे मंगाकर बजवाया था। इस दौरान शीशपाल की पांच वर्षीय बेटी पलक उर्फ गौरी वहां खेलते हुए पहुंच गई। आरोप है कि डीजे के वाहन टाटा मैजिक चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए मासूम के ऊपर चढ़ा दिया। जिससे बच्ची घायल हो गई। उसकी जांघ व पैर की हड्डी टूट गई। घायल बच्ची का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। आरोप है कि हादसे के बाद डीजे के चालक व स्वामी को डीजे वाहन समेत गुपचुप तरीके से आयोजक ने भगा दिया।

दुनिया ने देखा विकसित भारत का साहस, पाकिस्तान की मांद में घुसकर उसे सबक सिखाया: सीएम योगी

02

लखनऊ , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश बदल रहा है। आज का भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ है जो कि हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह सक्षम है। अभी कल ही दुनिया ने देखा कि हमने पाकिस्तान की मांद में घुसकर सबक सिखाया। ये विकसित भारत है और हमारा तो इतिहास रहा है कि हमने कभी किसी दूसरे देश में घुसकर हस्तक्षेप नहीं किया है। हम किसी को छेड़ते नहीं है पर जो हमें छेड़ता है हम उसको छोड़ते भी नहीं है।

उन्होंने कहा कि बदलते भारत में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक नवाचार करें। समय पर कक्षा पहुंचे और बच्चों के पाठ्यक्रम को उबाऊ न होने दें। उनके सामने अच्छा आचरण करें क्योंकि ये वर्तमान पीढ़ी के साथ ही भविष्य की पीढ़ी के लिए भी जरूरी है। विकसित भारत की आधारशिला विद्यालय से रखी जाए क्योंकि यूपी आज बीमारू राज्य नहीं है। वह देश के ग्रोथ इंजन का हिस्सा है। देश की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है। यहां प्रतिभा, पोटेंशियल की कमी पहले भी नहीं थी किंतु सही दृष्टि नहीं थी। आज यूपी सरप्लस स्टेट है। आज नियुक्ति पत्र पाने वाले युवा युवा विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में अपना योगदान दें। शिक्षक नवाचार करें, एनईपी को बेहतर तरीके से लागू करें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में सहायक अध्यापकों व प्रवक्ताओं को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में नौकरी पाने के लिए सिफारिश की जरूरत नहीं है। पूरी चयन प्रक्रिया पूरी तरह से निष्पक्ष और पारदर्शी है। 2017 के पहले माध्यमिक शिक्षा की हालत अच्छी नहीं थी। हमने इसमें नवाचार किए और अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है।

समारोह में माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने कहा कि और सभी शिक्षकगण मैं आप सबका इस कार्यक्रम में अभिनंदन करते हुए नवनियुक्त शिक्षकों को हृदय से बधाई देती हूं। मुख्यमंत्री के निर्देशन में माध्यमिक शिक्षा विभाग के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में चयनित 49 प्रवक्ताओं तथा 494 सहायक अध्यापकों को

नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि कर गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से निष्पक्ष व पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षकों का चयन और समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए शैक्षणिक व्यवस्था में परिवर्तन किया जा रहे हैं।

परीक्षा की व्यवस्था की गई है और नई प्रक्रिया से राजकीय विद्यालय में 8423 और सहायता प्राप्त विद्यालयों में 34074 अध्यापकों का चयन किया जा चुका है। माध्यमिक विद्यालय में सुविधाओं के विकास हेतु प्रोजेक्ट अलंकार संचालित किया जा रहा है जिसके अंतर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल 508 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की गई है।

इसी प्रकार सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय संस्कृत विद्यालय के लिए 14 करोड़ की धनराशि दी गई है। हमारी सरकार द्वारा विद्यार्थियों को राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा हेतु सक्षम बनाने के लिए एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू किया गया है। यहां पर प्रदेश में शिक्षा के हेतु आधुनिक विषयों का समावेश तथा एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तक लागू की गई है। नियमित शिक्षक के आने तक मानदेय के आधार पर शिक्षक नियोजित किए गए हैं और उक्त के अतिरिक्त सेवानिवृत शिक्षकों के पूल के रिक्त पदों पर मानदेय के आधार पर सत्र के अंत तक शिक्षण व्यवस्था भी की गई है।

मुख्यमंत्री योगी के प्रभावी मार्गदर्शन में हम नकल विहीन परीक्षा कराने में सफल रहे हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की संकल्पना को वास्तविक रूप देने के लिए कार्य योजना विकसित कर अग्रसर है।

ऑपरेशन सिंदूर आतंकियों को करारा जवाब है। जिन्होंने भारत की बहन बेटियों का सिंदूर छेड़ने की कोशिश की, उन्हें अपना खानदान खोना पड़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी में मॉक ड्रिल कार्यक्रम के दौरान नागरिक सुरक्षा की तैयारियों का जायजा लेते हुए ये बातें कहीं। सीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देश की सेना की बहन-बेटियों के प्रति संवेदना का प्रतीक है। सेना के पराक्रम को जनता का भी पूरा समर्थन है। उन्होंने पहलगाम हमले पर सेना की कार्रवाई को निर्णायक बताया। सीएम बोले, देश की आन-बान और शान के साथ किसी को खिलवाड़ नहीं करने देंगे। देश सर्वप्रथम है। भारत माता के खिलाफ जिन्होंने साजिश रची है उन्हें इसका परिणाम भुगतना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत माता के खिलाफ जो भी साजिश रचेगा, उसे परिणाम भुगतना होगा। सेना की कार्रवाई का पूर्ण समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि गांव, शहर और मोहल्लों में जब भी सुरक्षा से जुड़ा मामला सामने आएगा, तब सबसे पहले देश की चिंता की जाएगी।

मध्य कमान के सात वायुसेना स्टेशनों पर हाई अलर्ट, परखी गई तैयारियां

लखनऊ , एजेंसी। यूपी स्थित मध्य कमान के वायुसेना स्टेशन अलर्ट पर हैं। बीकेटी वायुसेना स्टेशन से वर्तमान में भले ही फाइटर जेट उड़ान न भर रहे हों, पर स्टेशन का रनवे अपडेट है। नए रडार लगाए गए हैं। हैंगर भी बनाया गया है। अपग्रेडेशन के बाद यहां ग्लोबमास्टर को भी उतारा जा चुका है। यहां से दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए लड़ाकू विमानों की आवाजाही की तैयारी पूरी है। ऐसे ही प्रदेश के छह अन्य वायुसेना स्टेशन भी हाई अलर्ट पर हैं। पाकिस्तान पर जवाबी हमला करने के लिए सुखोई से लेकर प्रीडेटर ड्रोन तक मुस्तैद किए गए हैं।

मध्य वायु कमान ने बुधवार को सभी वायुसेना स्टेशनों की तैयारियों का जायजा लिया। कमान के तहत प्रदेश में बीकेटी, सरसावां (सहारनपुर), हिंडन, चकेरी, आगरा, प्रयागराज, गोरखपुर स्थित एयरफोर्स स्टेशन आते हैं। इन स्टेशनों से वायुसेना पाकिस्तान ही नहीं, चीन तक को जवाब देने में सक्षम है। बीकेटी वायुसेना स्टेशन का अपग्रेडेशन का काम वर्ष 2016 में शुरू हुआ था। यह स्टेशन अपग्रेड हो चुका है। हालांकि अभी यहां कोई नई स्क्वाड्रन तैनात नहीं है। सूत्र बताते हैं कि जरूरत पर दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देने में बीकेटी स्टेशन का इस्तेमाल किया जा सकता है। अपग्रेडेशन के बाद यहां एयर शो भी कराया गया था, जहां जांबाजों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया था।

सुखोई से प्रीडेटर ड्रोन तक हैं हमारे रखवाले

बरेली वायुसेना स्टेशन पर लड़ाकू विमान सुखोई की स्क्वाड्रन तैनात है। प्रयागराज के बमरौली में हेलीकॉप्टर स्क्वाड्रन है। आगरा के वायुसेना स्टेशन पर ग्लोबमास्टर जैसे ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और पैरा कमांडो टीम है। सहारनपुर सरसांवा में प्रीडेटर ड्रोन, सी-295 एयरक्राफ्ट की ट्रेनिंग सुविधा व सिमुलेटर हैं। ऐसे ही चकेरी कानपुर में देश की पहली एयरक्राफ्ट मेंटीनेंस यूनिट है। गोरखपुर में हेरिटेज एयरक्राफ्ट और हिंडन एयरफोर्स स्टेशन एशिया का सबसे बड़ा स्टेशन है, जहां लड़ाकू विमान तैनात हैं।

मध्य कमान यहां तक है फैला

मध्य कमान भारतीय सेना की सबसे बड़ी कमान है। यह सात राज्यों यूपी, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा तक फैली है। इसका मुख्यालय लखनऊ में है। लखनऊ में ही आर्मी मेडिकल कोर (एएमसी), डीआरडीओ सेंटर, मध्य यूपी सब एरिया मुफ्सा, कमांड व बेस अस्पताल, 11 गोरखा रेजिमेंटल सेंटर आदि हैं।

लखनऊ का बढ़ रहा कद

सूत्र बताते हैं कि सैन्य गतिविधियों में लखनऊ का कद बढ़ने की वजह यहां मध्य कमान मुख्यालय व रेजिमेंटल सेंटर होने के अतिरिक्त निर्वहन क्षमता भी है। डिफेंस एक्सपो, आर्मी डे, एयर शो, केमिकल बेस्ड वॉर, जॉइंट कमांडर्स मीट जैसे बड़े आयोजनों को सफलतापूर्वक करवाकर लखनऊ ने अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। महिला मिलिट्री पुलिस भर्ती लखनऊ में होती है। यहां यूपी व उत्तराखंड का जोनल भर्ती मुख्यालय भी है। डीआरडीओ ने ब्रह्मोस के नेवी वर्जन का निर्माण लखनऊ में करने के लिए एक यूनिट स्थापित की है। यहां जल्द ही ब्रह्मोस का निर्माण शुरू हो जाएगा। रक्षा क्षेत्र के लिहाज से लखनऊ का कद बढ़ता जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि देश में तीन थिएटर कमांड बनाए जाने हैं। इसमें चाइना साइड के लिए बनने वाले थियेटर कमांड का गढ़ लखनऊ में होगा।

लखनऊ में हल्की बारिश

20 जिलों में बरसात के साथ बिजली गिरने का अलर्ट, फिर मौसम पलटने का संकेत

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में मौसम का उतार-चढ़ाव जारी है। लखनऊ में सुबह से हल्की बारिश हो रही है। लखनऊ के साथ अवध के कुछ अन्य जिलों में भी मौसम से करवट ली है। हालांकि मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान बढ़ने का पूर्वानुमान जारी किया है।

उत्तर प्रदेश में तेज हवाओं और बूंदाबांदी का दायरा सिमटने के बाद अब धूप और गर्म हवाओं ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। प्रदेश में लोगों को अब मई की तीखी गर्मी के लिए कमर कसना होगा। मौसम विभाग का कहना है कि अब पश्चिमी विक्षोभ का असर कमजोर पड़ने से उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों को छोड़कर बाकी जगहों पर आने वाले कुछ दिनों तक मौसम शुष्क रहने वाला है। इसके साथ ही धीरे-धीरे पारे में बढ़ोत्तरी देखने को मिलेगी।

बीते कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश में चल रही झोंकेदार हवाओं और छिटपुट बूंदाबांदी से भीषण गर्मी से राहत मिली थी। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को प्रदेश के तराई और पश्चिमी हिस्सों समेत 20 जिलों में गरज चमक की संभावना जताई है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ और वेदर सिस्टम का असर अब सिमट गया है। तराई और कुछ पश्चिमी जिलों को छोड़कर बाकी हिस्सा अगले कुछ दिनों तक शुष्क रहने वाला है। इस दौरान तापमान का बढ़ना जारी रहेगा। अगले 4 से 5 दिनों में अधिकतम तापमान में 4 से 5 डिग्री सेल्सियस की उछाल आने की संभावना है। राजधानी लखनऊ में भी बुधवार को धूप और उमस भरी गर्मी अपने पूरे रंग में दिखी। पूर्वा हवाओं की रफ्तार घट कर 15 से 20 किमी प्रति घंटे तक आ पहुंची।

यहां है मेघगर्जन और वज्रपात की चेतावनी- सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, प्रयागराज, वाराणसी, भदोही, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड, गौतम बुद्ध नगर, बुलन्दशहर, अलीगढ़, मथुरा, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद व आसपास के इलाकों में ।

प्रयागराज से सप्ताह भर में विदा हो जाएगी ई- डबल डेकर बस, रूट पर नहीं बनी सहमति

प्रयागराज, एजेंसी। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में लाई गई ई डबल डेकर बस अब यहां चंद दिनों की ही मेहमान है। सप्ताह भर में इन बसों की संगम नगरी से विदाई हो जाएगी। फिलहाल इन बसों का संचालन प्रयागराज में अब नहीं होने जा रहा है। यह बसें वापस रोडवेज के लखनऊ मुख्यालय को भेजी जा रही हैं।

प्रयागराज में लगे महाकुंभ के दौरान यूपी रोडवेज ने 24 ई-अटल बस और दो ई-डबल डेकर बसें यहां भेजी। अटल बस सेवा का महाकुंभ के दौरान शटल बसों के रूप में संचालन हुआ। महाकुंभ संपन्न होने के बाद यह बसें अस्थायी ई चार्जिंग स्टेशन बंद हो जाने की वजह से खड़ी रहीं, लेकिन बाद में प्रयाग स्टेशन पर चार्जिंग स्टेशन की सुविधा शुरू होने जाने के बाद इन बसों का

संचालन 100 किमी या उससे कम दूरी वाले स्थानों के लिए शुरू हो गया। वहीं दूसरी ओर ई-डबल डेकर बसों की बात करें तो बीते तीन माह से यह बसें रोडवेज के राजापुर स्थित प्रयाग डिपो की वर्कशॉप पर ही खड़ी हैं। इन बसों का संचालन अब प्रयागराज में नहीं होगा।

यह बसें सप्ताह भर में वापस लखनऊ चली जाएंगी। पूर्व में इन बसों का संचालन शहर के दो रूट पर करने की योजना बनाई गई थी। गोविंदपुर से प्रयागराज छिवकी एवं प्रयागराज एयरपोर्ट से इन बसों के दो संभावित रूट पर तकरीबन मुहर भी लग चुकी थी। हालांकि शहर के तमाम रूटों पर जगह-जगह लटके विद्युत तार एवं कम ऊंचाई के रेल अंडर ब्रिज आदि कारणों से रोडवेज प्रशासन ने इन बसों का संचालन प्रयागराज में न किए जाने की बात कही है। क्षेत्रीय प्रबंधक एमके त्रिवेदी बताते हैं कि ई-डबल डेकर बसों का संचालन अब प्रयागराज में नहीं होगा। यह बसें जल्द ही लखनऊ मुख्यालय को वापस भेज दी जाएंगी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद यूपी में रेड अलर्ट, ताज पर बढ़ाई गई सुरक्षा

आगरा, एजेंसी। पाकिस्तान से युद्ध की आशंका पर ताजमहल समेत स्मारकों पर भी अलर्ट है। सीआईएसएफ के जवान मुस्तैद हैं। बैरिकेडिंग पर भी सख्ती से जांच की गई। मॉक ड्रिल कर सुरक्षा व्यवस्था भी परखी गई। नवागत अधीक्षण पुरातत्वविद ने ताजमहल और फतेहपुर सीकरी का निरीक्षण किया।

ताजमहल की ओर के रास्तों पर सुरक्षा को देखते हुए बैरिकेडिंग पर सख्ती से जांच की गई। लोगों के पहचानपत्र देखे गए, वाहनों की भी जांच की गई। शाम तक सघन जांच अभियान चलता रहा। ताजमहल पर सीआईएसएफ के जवान भी मुस्तैद रहे।

अधीक्षण पुरातत्वविद डॉ. स्मिथा एस. कुमार ने ताजमहल का निरीक्षण किया। यहां रॉयल गेट से लेकर पूरा परिसर देखा और सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति देखी। शाम को ताजमहल पर मॉक ड्रिल की। इसमें हमला होने पर पर्यटकों को सुरक्षित स्थान पर लेकर जाने और ताजमहल की सुरक्षा के लिए मुस्तैदी दिखाई।

होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश चौहान ने बताया कि प्रशासन के साथ बैठक हुई। इसमें पर्यटकों की सुरक्षा के लिए मॉक ड्रिल के बारे में बताया। विदेशी पर्यटकों की सूचना हर दो घंटे में प्रशासन को देने की कोशिश की जाएगी। सामान्य दिनों में 24 घंटे में सूची दी जाती थी। पाकिस्तानी पर्यटक आने पर भी जानकारी देने को भी कहा है, लेकिन काफी समय से पाकिस्तानी पर्यटक आगरा नहीं आ रहे हैं। आपात स्थिति में जरूरत पर होटल भी प्रशासन को निशुल्क उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

पर्यटकों की संख्या आधी से भी हुई कम

भारत-पाकिस्तान में बढ़ते तनाव को देखते हुए ताजमहल देखने आने वाले पर्यटकों पर भी असर पड़ा है। बुधवार को 12245 पर्यटकों ने ताजमहल निहारा। इनमें विदेशी पर्यटकों की संख्या 932 है, अन्य दिनों में इनकी संख्या तीन हजार तक होती है। सामान्य दिनों की बात करें तो औसतन 28 हजार पर्यटक ताजमहल देखने आते हैं।

पाकिस्तान से 1971 में हुए युद्ध के दौरान भी ताजमहल को खतरा था। ऐसे में इसे काले कपड़े से करीब दो सप्ताह तक ढका गया था। युद्ध में विजयी होने के बाद इससे काला कपड़ा हटाया गया।

मॉक ड्रिल: सायरन बजा

ताजमहल पर भी खतरे को देखते हुए मॉक ड्रिल किया। शाम को 7 बजे एएसआई कर्मचारी और सीआईएसएफ के जवानों ने भाग लिया। सायरन बजते ही सभी सक्रिय हो गए। पर्यटकों को बचाकर सुरक्षित स्थानों पर लेकर गए। घायल को स्ट्रेचर पर लेकर अस्पताल पहुंचाया।

दोपहर में हुआ सम्मान, शाम होते ही पद से हटा दिए गए सपा के जिला उपाध्यक्ष ताजुद्दीन

बरेली , एजेंसी। बरेली के फरीदपुर नगर पालिका में तीन बार से सभासद ताजुद्दीन को सपा के जिला उपाध्यक्ष पद से हटा दिया गया है। चार मई को ही प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने उनको नामित किया था। इसका पत्र जिला कार्यकारिणी को मिलने के बाद बुधवार को मिशन कंपाउंड स्थित सपा कार्यालय में उनको सम्मानित किया गया था। कार्यक्रम खत्म होते ही उनको पदमुक्त करने का पत्र आने के बाद विरोधी सवाल उठा रहे हैं।

चर्चा है कि 2023 में नगर पालिका चुनाव के दौरान गोली चलने के मामले में ताजुद्दीन का नाम आया था। दो बार से लगातार सभासद रहे ताजुद्दीन के खिलाफ एफआईआर भी हुई। पुलिस की सख्ती के बाद वह परिवार सहित फरीदपुर से ही दूर हो गए। हालांकि, इसके बाद भी तीसरी बार भी वह करीब 600 वोट से चुनाव जीत गए।

अब संगठन में जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने के बाद पार्टी में ही उनका विरोधी खेमा सक्रिय हो गया। चर्चा है कि किसी

ने गोलीकांड से संबंधित पुरानी खबरों की कटिंग लखनऊ में पार्टी हाईकमान को भेज दीं। इन खबरों का संज्ञान लेते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने उनको पदमुक्त करने का आदेश जारी कर दिया। हालांकि, पत्र में उनको हटाए जाने का कोई कारण नहीं बताया गया है।

सपा जिलाध्यक्ष शिवचरन कश्यप का कहना है कि ताजुद्दीन के अचानक पदमुक्त किए जाने का कारण मुझे नहीं पता है। उनको नामित किए जाने की सूचना मिलने पर सम्मान में कार्यक्रम रखा गया था। पूर्व विधायक वीरपाल सिंह ने बताया कि तीन बार से सभासद चुनाव जीत रहे ताजुद्दीन को इस तरह से पदमुक्त करना विरोधियों की साजिश का नतीजा है। वहीं, ताजुद्दीन का कहना है कि संगठन के इस निर्णय को लेकर मैं अपना पक्ष भी प्रदेश अध्यक्ष के सामने रखूंगा। गोली चलाने की एफआईआर झूठी थी। उस मामले में मुझे पहले ही क्लीनचिट मिल गई थी।

बचपन के कोच दिनेश लाड ने किया खुलासा

रोहित का लक्ष्य 2027 में वनडे विश्व कप जीतना है

नई दिल्ली, एजेंसी। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर क्रिकेट जगत को हैरान करने वाले रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने कहा कि इस स्टार बल्लेबाज का लक्ष्य 2027 में एकदिवसीय विश्व विश्व कप जीतना है। भारत ने पिछले साल रोहित की कप्तानी में टी20 विश्व कप और इस साल के शुरू में चैंपियंस ट्रॉफी एक दिवसीय टूर्नामेंट जीता था।

भारत ने 2011 के बाद वनडे विश्व कप नहीं जीता है और देश के सबसे सफल कप्तानों में से एक रोहित यह ट्रॉफी भी अपने नाम पर दर्ज करना चाहेंगे। लाड ने कहा, उनका (रोहित) लक्ष्य 2027 वनडे विश्व कप जीतना और फिर संन्यास लेना है। लाड ने कहा, 'उनका लक्ष्य विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप था, लेकिन दुर्भाग्य से हम क्वालीफाई नहीं कर सके। अब 2027 में विश्व कप है। मैं भी चाहता हूं कि वह 2027 में विश्व कप जीते और फिर संन्यास लें। वनडे विश्व कप 2027 में अक्टूबर और नवंबर में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है। लाड ने कहा कि इस दिग्गज खिलाड़ी का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना अपने करियर को लंबा खींचने के लिए एक रणनीतिक फैसला है। उन्होंने कहा, 'रोहित ने इसे (टेस्ट से संन्यास लेने का फैसला) जल्दबाजी में नहीं लिया। वह विश्व कप (पिछले साल अमेरिका में) के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं खेलना चाहते थे, लेकिन अन्य दो प्रारूपों में खेलने का फैसला उनका था। उन्होंने इस बारे में अच्छी तरह से सोचा होगा कि उनके लिए सबसे अच्छा क्या है। जब उनसे पूछा गया कि क्या रोहित इंग्लैंड के खिलाफ इस साल जून में होने वाली पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में कप्तानी करने को लेकर आश्वस्त नहीं थे, उन्होंने कहा, 'इस फैसले का इंग्लैंड के आगामी दौरे से कोई लेना-देना नहीं है। उनकी सोच अगली पीढ़ी को मौका देना होगा, जैसा उन्होंने पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद किया था। लाड ने यह भी साझा किया कि वेस्टइंडीज के खिलाफ रोहित की टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण पर खेली गई शतकीय पारी उनका सबसे यादगार पल था। रोहित ने 2013 में कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ 177 रन बनाए थे। उन्होंने कहा, 'वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उनका पहला टेस्ट शतक था। यह उनकी मेरी पसंदीदा टेस्ट पारी है।

भारत के अगले टेस्ट कप्तान पर पूर्व क्रिकेटर ने दी राय

जसप्रीत बुमराह को मौका मिलना चाहिए...

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मदन लाल ने कहा कि रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भविष्य में टीम की कमान संभालने का मौका दिया जाना चाहिए। रोहित ने 11 साल के टेस्ट करियर को अलविदा कह दिया जिससे इस साल जून में इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत से पहले नए कप्तान पर बहस तेज हो गई है। अगले कप्तान के संभावित उम्मीदवार के बारे में बात करते हुए मदन लाल ने कहा, जसप्रीत बुमराह को मौका मिलना चाहिए। वह बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

वह टीम के स्थायी सदस्य हैं। हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं जिन्हें उप-कप्तान बनाया जा सकता है...। 2022-25 के बीच बुमराह ने तीन टेस्ट मैचों में भारत की अगुआई की, जिसमें से एक में जीत मिली और दो में हार मिली। वह पहले भी टेस्ट में भारत के उप-कप्तान रह चुके हैं। टेस्ट में उनकी कप्तानी का कार्यकाल 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें पुनर्निर्धारित टेस्ट के साथ शुरू हुआ जिसमें भारत सात विकेट से हार गया।

कप्तान के रूप में उनका अगला टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान पर्थ में हुआ, जहां उन्होंने भारत को यादगार 295 रनों की जीत दिलाई और श्रृंखला में 1-0 की बढ़त दिलाई। यह श्रृंखला में टीम की एकमात्र जीत भी थी। सिडनी में अंतिम टेस्ट में भारत के 1-2 से पिछड़ने के बाद वह कप्तान के रूप में लौटे लेकिन भारत टेस्ट और श्रृंखला 1-3 से हार गया और आधिकारिक तौर पर आईसीसीविश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल की दौड़ से बाहर हो गया।

Champions League:

आर्सेनल को हराकर PSG चैंपियंस लीग के फाइनल में, इंटर मिलान से खिताबी मुकाबला

पेरिस, एजेंसी। पीएसजी दूसरी बार यूरोप के इस शीर्ष क्लब टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है। वह पांच साल पहले उपविजेता रहा था। उसने सुपरस्टार किलियन एमबाप्पे के रियाल मैड्रिड से जुड़ने के बाद पहले सत्र में ही यह कारनामा किया।

पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने एक के बाद एक हमलों का डटकर सामना करते हुए आक्रामक अंदाज में खेल रहे आर्सेनल को सेमीफाइनल के दूसरे चरण में 2-1 से हराकर चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। खिताबी मुकाबले में उसका सामना इटैलियन क्लब इंटर मिलान से होगा।

सेमीफाइनल के पहले चरण में 1-0 से जीत हासिल करने वाली पीएसजी की टीम को शुरू में गेंद पर कब्जा करने के लिए संघर्ष करना पड़ा, लेकिन जवाबी हमलों और गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा के शानदार प्रदर्शन से उसने 3-1 के कुल स्कोर के साथ जीत हासिल करके शान से फाइनल में जगह बनाई। पीएसजी दूसरी बार यूरोप के इस शीर्ष क्लब टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है। वह पांच साल पहले उपविजेता रहा था। उसने सुपरस्टार किलियन एमबाप्पे के रियाल मैड्रिड से जुड़ने के बाद पहले सत्र में ही यह कारनामा किया। पीएसजी के कोच लुई एनरिक ने कहा, मैंने पहले दिन से कहा था कि हमारा लक्ष्य इतिहास बनाने की स्थिति में आने के लिए पर्याप्त मेहनत करना है।

यही हमारा लक्ष्य है।

फ्रांस का यह क्लब 31 मई को म्यूनिख में होने वाले फाइनल में इंटर मिलान से भिड़कर अपने पहले चैंपियंस लीग खिताब के लिए फिर से प्रयास करेगा। तीन बार के यूरोपीय चैंपियन इंटर मिलान ने प्रतियोगिता के इतिहास के सबसे रोमांचक सेमीफाइनल में से एक में बार्सिलोना को 7-6 के कुल स्कोर से हराया। आर्सेनल के खिलाफ पीएसजी की तरफ से फैबियन रुइज़ ने 27वें मिनट में पहला गोल किया। अचरफ हकीमी ने 72वें मिनट मे स्कोर 2-0 कर दिया। इसके चार मिनट बाद बुकायो साका ने आर्सेनल की तरफ से एकमात्र गोल किया।

Superbet Chess Classic:

सुपरबेट शतरंज क्लासिक में गुकेश ने प्रज्ञानंद से ड्रॉ खेला, 35 चाल के बाद बनी सहमति

बुकारेस्ट (रोमानिया), एजेंसी। फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा और वेस्ली सो ने दस खिलाड़ियों के राउंड रोबिन टूर्नामेंट में शुरुआती दौर के बाद संयुक्त बढ़त बना ली है। इन दोनों ने क्रमशः फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर-लाग्रेव और रोमानिया के डेक बोगदान-डेनियल को हराया। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने बुधवार को यहां सुपरबेट शतरंज क्लासिक्स में अपने अभियान की शुरुआत साथी भारतीय खिलाड़ी आर प्रज्ञानंद के खिलाफ ड्रॉ के साथ की।

गुकेश और प्रज्ञानानंद 35 चाल के बाद ड्रॉ पर सहमत हो गए। फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा और वेस्ली सो ने दस खिलाड़ियों के राउंड रोबिन टूर्नामेंट में शुरुआती दौर के बाद संयुक्त बढ़त बना ली है। इन दोनों ने क्रमशः फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर-लाग्रेव और रोमानिया के डेक बोगदान-डेनियल को हराया। यह प्रतियोगिता ग्रैंड शतरंज टूर का हिस्सा है और इसकी इनामी राशि 350,000 डॉलर है। अन्य बाजियों में पोलैंड के डूडा जान क्रिस्टोफ ने अमेरिका के फाबियानो करुआना के साथ ड्रॉ खेला जबकि अमेरिका के लिए लेवोन अरोनियन ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के साथ अंक बांटे। अलीरेजा और वेस्ले एक-एक अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं और उनके बाद गुकेश, प्रज्ञानानंदा, अरोनियन, अब्दुसत्तोरोव, करुआना और डूडा हैं जबकि डेक और मैक्सिम को अभी अपना खाता खोलना है।

नीतिश राणा आईपीएल 2025 से हुए बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज नीतिश राणा इंजरी की वजह से आईपीएल 2025 से बाहर हो गए।

नीतिश के बाहर होने के बाद राजस्थान फ्रेंचाइजी ने उनकी जगह टीम में साउथ अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रीटोरियस को शामिल किया है। लुआन को राजस्थान ने अपनी टीम में उनके बेस प्राइस यानी 30 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा।

नीतिश ने 11 मैचों में बनाए थे 217 रन

नीतिश राणा ने इस सीजन में राजस्थान के लिए 11 मैच खेले थे और इन मैचों में उन्होंने 2 अर्धशतक की मदद से 217 रन बनाए थे। नीतिश का बेस्ट स्कोर इस सीजन में 81 रन था जबकि उनका औसत इन मुकाबलों में 21.70 का था। नीतिश ने इस सीजन में 161.94 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। 11 मैचों में उन्होंने 27 चौके और 9 छक्के भी लगाए थे। नीतिश को राजस्थान ने इस सीजन में 4.20 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया था।

कौन हैं लुआन-ड्रे प्रीटोरियस

लुआन साउथ अफ्रीका के अनकैप्ड बाएं हाथ के ओपनर और विकेटकीपर हैं। लुआन साउथ अफ्रीका टी20 लीग में राजस्थान की टीम पार्ल रॉयल्स के लिए खेलते हैं। 19 साल के लुआन ने अब तक कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। उन्होंने अपने क्रिकेट करियर में अब तक 33 टी20 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 911 रन बनाए हैं और इन मैचों में उन्होंने 6 अर्धशतक जड़े हैं। टी20 प्रारूप में लुआन का बेस्ट स्कोर 97 रन रहा है। इन मैचों में उनका स्ट्राइक रेट 147.17 का रहा है।

प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुका है राजस्थान

आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन खराब रहा है। टीम के नियमित कप्तान संजू सैमसन इंजरी की वजह से इस सीजन के ज्यादातर मैचों में नहीं खेल पाए और उनकी जगह टीम की कप्तानी रियान पराग कर रहे हैं। राजस्थान ने अब तक 12 मैच खेले हैं और इन मैचों में इस टीम को 3 मैचों में जीत मिली है जबकि 9 मैचों में हार मिली है। खबर लिखे जाने तक राजस्थान के 6 अंक थे और अंकतालिका में ये टीम 9वें नंबर पर थी।

नहीं पता मेरा आखिरी मैच कब होगा

धोनी ने दे दिए आईपीएल 2026 में खेलने के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ जीत के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने बुधवार (8 मई) को संकेत दिए कि वह अगले साल भी पीली जर्सी में दिखाई देंगे। ईडन गार्डन में मैच के बाद महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि वह 6-8 महीने तक कड़ी मेहनत करने और अपने शरीर का आकलन करने के बाद आईपीएल भविष्य पर फैसला करेंगे। भारत के पूर्व कप्तान ने स्वीकार किया कि वह अपने करियर के अंतिम चरण में हैं और प्रशंसकों को नहीं पता कि कौन सा मैच उनका आखिरी मैच होगा। उन्होंने कहा, यह प्यार और स्नेह मुझे हमेशा मिलता रहा है। यह न भूलें कि मैं 42 (43) वर्ष का हूं। मैंने लंबे समय तक खेला है। उनमें से बहुतों को नहीं पता कि मेरा आखिरी मैच कब होगा, इसलिए वे आकर मुझे खेलते हुए देखना चाहते हैं।

अगले 6-8 महीनों तक कड़ी मेहनत करनी होगी

धोनी ने अपने करियर को अंतिम चरण में बातते हुए कहा, इस तथ्य से कोई इंकार नहीं कर सकता। इस आईपीएल के खत्म होने के बाद मुझे अगले 6-8 महीनों तक कड़ी मेहनत करनी होगी, ताकि यह पता चल सके कि मेरा शरीर इस दबाव को झेल सकता है या नहीं। अभी कुछ तय नहीं करना है, लेकिन मैंने जो प्यार और स्नेह देखा है, वह शानदार है।

धोनी ने 12 मैचों में 180 रन बनाए

इस सीजन में बल्ले से जूझने वाले धोनी ने 12 मैचों में 180 रन बनाए हैं। वह कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 17 रन बनाकर नाबाद रहे और अंतिम ओवर में छक्का लगाकर सीएसके को गत चैंपियन द्वारा निर्धारित 180 रन के लक्ष्य के करीब पहुंचाया। अनुभवी खिलाड़ी ने सुनील नरेन को स्टंप किया और फिर अंगकृष रघुवंशी का कैच लेकर आईपीएल इतिहास में 200 शिकार करने वाले पहले विकेटकीपर बन गए।

आईपीएल 2025: आचार संहिता के उल्लंघन पर केकेआर के गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती पर लगा जुर्माना

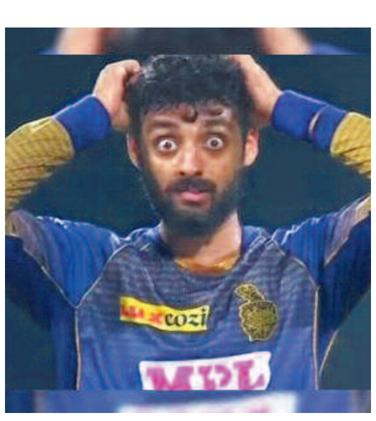

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पर बुधवार को ईडन गार्डन्स में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और साथ ही उन्हें एक डिमेरिट अंक भी दिया गया।

वरुण को आईपीएल आचार संहिता की धारा 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो मैच में किसी अन्य खिलाड़ी के प्रति अपमानजनक भाषा, कार्य या हाव-भाव का प्रयोग करने या आक्रामक प्रतिक्रिया भड़काने से संबंधित है। आईपीएल की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, वरुण चक्रवर्ती ने आर्टिकल 2.5 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया और मैच रेफरी की सजा को स्वीकार कर लिया। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी है। आईपीएल आचार संहिता आर्टिकल 2.5 के अनुसार, जब कोई बल्लेबाज आउट होकर पवेलियन लौट रहा होता है तो उत्साह में कई बार गेंदबाज बल्लेबाज ऐसी प्रतिक्रिया देते हैं, जिससे बल्लेबाजी की ओर से जवाबी प्रतिक्रिया मिलने की संभावना बढ़ जाती है। कई मौकों पर फील्ड अंपायरों को बीच-बचाव के लिए आना पड़ता है। गेंदबाज की ओर से बल्लेबाज के प्रति इस तरह की प्रतिक्रिया अपमान के तौर पर मानी जाती है।

भले ही बल्लेबाज स्वयं अपमानित न महसूस करता हो। आर्टिकल 2.5 में अगर कोई बल्लेबाज आउट होकर पवेलियन लौट रहा हो उस वक्त गेंदबाज की ओर से उसके बहुत करीब जाकर जश्न मनाना, आउट बल्लेबाज को मौखिक रूप से गाली देना, पवेलियन की ओर इशारा करना आदि ऐसे मामले हैं जिनमें गेंदबाज को दोषी ठहराया जा सकता है।

चोटिल देवदत्त पडिक्कल की जगह मयंक अग्रवाल आरसीबी से जुड़े

बेंगलुरु, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने देवदत्त पडिक्कल की चोट के कारण उनकी जगह लेने के लिए मयंक अग्रवाल को अनुबंधित किया है। आईपीएल ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों के लिए देवदत्त पडिक्कल की चोट के कारण उनकी जगह लेने के लिए मयंक अग्रवाल को अनुबंधित किया है। इस सीजन में आरसीबी के लिए 10 मैच खेलने वाले और दो अर्धशतकों की मदद से 247 रन बनाने वाले देवदत्त पडिक्कल को दाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई है। मयंक अग्रवाल ने अब तक 127 आईपीएल मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 2661 रन बनाए हैं।

उनके नाम 1 आईपीएल शतक और 13 अर्धशतक दर्ज हैं।वे 1 करोड़ रुपये में आरसीबी से जुड़े हैं।